वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 222 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शुक्रवार 30 अक्टूबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नया कानून लागू

केंद्र सख्त, अध्यादेश लागू, नियम तोड़ा तो पांच साल की जेल, एक करोड़ रुपये का जुर्माना होगा

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर । दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण की गहराती समस्या के बीच केंद्र ने अध्यादेश के जरिए नया कानून लागू किया है। इसके तहत विभिन्न अधिकारों से लैस एक निकाय का गठन किया जाएगा और प्रावधानों का उल्लंघन करने पर पांच साल तक जेल की सजा या एक करोड़ रुपये का जुर्माना या एक साथ दोनों सजा हो सकती है।

विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी अध्यादेश के तहत पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण (ईपीसीए) को भंग किया गया है और इसके स्थान पर 20 से ज्यादा सदस्यों वाले एक आयोग का गठन किया है। इसमें कहा गया, अध्यादेश को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और इससे जुड़े क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग अध्यादेश 2020 कहा जा सकता है। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के उन इलाके तक लागू होगा, जहां वायु प्रदूषण से संबंधित मुद्दे हैं ।

अध्यादेश पर राष्ट्रपति ने बुधवार को हस्ताक्षर किये। अध्यादेश के मुताबिक दिल्ली और एनसीआर से जुड़े इलाके, आस पास के क्षेत्र जहां यह लागू होगा उसमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तरप्रदेश हैं। आयोग के पास वायु गुणवत्ता, प्रदूषणकारी तत्वों के बहाव के लिए मानक तय

करने, कानून का उल्लंघन करने वाले परिसरों का निरीक्षण करने, नियमों का पालन नहीं करने वाले उद्योगों, संयंत्रों को बंद करने का आदेश देने का अधिकार होगा। इसमें कहा गया, आयोग के किसी भी प्रावधान या नियमों या आदेश या निर्देश का पालन नहीं करना दंडनीय अपराध होगा जिसके लिए पांच साल जेल की सजा या एक करोड़ रुपये जुर्माना या एक साथ दोनों सजा हो सकती है।'' कुछ दिन पहले ही उचतम न्यायालय में एनसीआर के प्रदूषण से जुड़े मुद्दे पर सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए थे । उन्होंने कहा था कि केंद्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के इलाके में वायु गुणवत्ता के प्रबंधन के लिए नया कानून लाएगा। केंद्र ने बृहस्पतिवार को उचतम न्यायालय को अवगत कराया कि वह प्रदूषण रोकने के लिए एक अध्यादेश लाया है और यह लागू हो चुका है।

नए कानून के मुताबिक उचतम न्यायालय द्वारा नियुक्त निकाय ईपीसीए को भंग कर दिया गया है और उसके द्वारा उठाए गए कदम पर अध्यादेश के संबंधित प्रावधानों के तहत कदम उठाए जाएंगे। ईपीसीए का 1998 में गठन हुआ था। ईपीसीए दो सदस्यीय निकाय था। इसके अध्यक्ष भुरेलाल और सुनीता नारायण सदस्य थीं । आयोग के एक अध्यक्ष भी होंगे। आयोग में दो पूर्णकालिक सदस्य होंगे जो केंद्र सरकार के संयुक्त सचिव होंगे।

इसके अलावा तीन पूर्णकालिक स्वतंत्र तकनीकी सदस्य होंगे जिन्हें वायु प्रदूषण संबंधी वैज्ञानिक जानकारी होगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एक तकनीकी सदस्य भी होंगे, तथा इसरो एक तकनीकी सदस्य को नामित करेगा। वायु प्रदूषण रोकने के संबंध में अनुभव रखने वाले एनजीओ के तीन सदस्य भी होंगे।

आयोग सहयोगी सदस्यों को भी नियुक्त कर सकता है। आयोग में निगरानी और पहचान, सुरक्षा और प्रवर्तन तथा अनुसंधान और विकास में प्रत्येक से एकएक के साथ तीन उप कमेटी होगी। आयोग के अध्यक्ष तीन साल तक या 70 साल उम्र होने तक पद पर रहेंगे।

आयोग के पास वायु (प्रदूषण रोकथाम और नियंत्रण) कानून 1981, और पर्यावरण (संरक्षण) कानून 1986 जैसे मौजूदा कानूनों के तहत निवारण के लिए मामलों का स्वतः संज्ञान लेने, शिकायतों पर सुनवाई, आदेश जारी करने का अधिकार होगा । आयोग के पास एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के लिए जिम्मेदार किसी भी गतिविधियों पर पाबंदी लगाने का अधिकार होगा।

नौसेना में महिला अधिकारियों को स्थाई कमीशन देने के लिए केन्द्र को 31 दिसंबर तक समय

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । उच्चतम न्यायालय ने भारतीय नौसेना में महिला एसएससी अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने के वास्ते अपना आदेश लागू करने की समयसीमा बृहस्पतिवार को 31 दिसंबर तक बढ़ा दी। शीर्ष अदालत ने 17 मार्च को कहा था कि महिला और पुरुष अधिकारियों के साथ एक समान बर्ताव होना चाहिए।

इसके साथ ही नौसेना में महिलाओं के स्थायी कमीशन का रास्ता साफ हो गया था। न्यायालय ने केंद्र को तीन महीने में इस बाबत तौरतरीकों को पूरा करने का निर्देश दिया था। न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड, न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की पीठ ने कहा कि वह शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) महिला अधिकारियों को नौसेना में स्थायी कमीशन देने के समय को 31 दिसंबर तक बढ़ा रही है। केंद्र सरकार ने कोविड19 महामारी का हवाला देकर जून में एक आवेदन दायर कर समयसीमा को छह महीने बढ़ाने का आग्रह किया था। पीठ ने केंद्र सरकार से उन पांच महिला नौसेना अधिकारियों को चार हफ्ते में 2525 लाख रुपये का मुआवजा देने के लिये भी कहा जिन्हें स्थायी कमीशन देने के साथसाथ पेंशन के लाभ देने पर विचार नहीं किया गया था। हालांकि, पेंशन का लाभ अब उन्हें दिया जा चुका है। शीर्ष अदालत के फरवरी के फैसले के आलोक में केन्द्र सरकार ने भारतीय सेना में सभी एसएससी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। शीर्ष अदालत ने 17 मार्च को एक बड़ा फैसला देते हुए भारतीय नौसेना में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने का रास्ता साफ कर दिया था। शीर्ष अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि लैंगिंक समानता को लेकर चल रहा द्वंद्व दिमाग में चल रहे टकराव के बारे में है और इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा हुआ है जिनमें कानून के तहत कार्यस्थल पर निष्पक्ष और समान व्यवहार के अधिकार से महिलाओं को वंचित किया गया है।

सड़क बीच युवक को चाकू से ताबड़तोड़ 20 वार कर मौत के घाट उतारा

नई दिल्ली । तिगड़ी इलाके में वर्चस्व की लड़ाई में एक युवक की दो दोस्तों ने बीच सड़क हत्या कर दी। दोनों आरोपियों ने पहले उससे कहासुनी की, इसके बाद एक आरोपी ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से करीब 20 वार किए। आरोपी युवक के सड़क पर गिर जाने के बाद भी चाकू से गोदता रहा। इसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। एक जानकार से सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे युवक को नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। युवक की हत्या की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। अस्पताल पहुंची तिगड़ी थाना पुलिस ने मृतक 21 वर्षीय सतीश के शव को कब्जे में लिया और मौके पर मौजूद उसके जानकार के बयान पर हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

आतंकवाद के खिलाफ जंग में फ्रांस के साथ है भारतः पीएम मोदी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को फ्रांस में हमलों की निंदी की जिसमें नीस के चर्च में चाकू से हुआ हमला भी शामिल है, जहां तीन लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया। चाकू के साथ घुसे हमलावर ने पुलिस की गोली लगने से पहले दो महिलाओं और एक पुरुष को नोत्रे दामे बासिलिका में गुरुवार सुबह मार डाला। इसमें से एक महिला का उसने गला रेत डाला। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मैं फ्रांस में हालिया आंतकवादी हमलों की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें आज नीस के चर्च में नृशंस हमला भी शामिल है। फ्रांस के लोगों और पीड़ितों के परिवारों के प्रति हमारी गहरी और हार्दिक संवेदनाएं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत फ्रांस के साथ खड़ा है। फ्रांस के प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स ने कहा कि हमले के बाद उनके देश ने अलर्ट

लेवल को बढ़ाकर इमर्जेंसी कर दिया है। यह हमला व्यंग्य पत्रिका शार्ली हेब्दो में पैगंबर मोहम्मद के कार्टून दोबारा छपने के बाद उपजे तनाव के बीच हुआ है। इसी महीने स्टूडेंट्स को पैगंबर का कार्टून दिखाने वाले एक टीचर की भी गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मृतक शिक्षक को सम्मानित किए जाने की वजह से कई इस्लामिक देशों ने फ्रांस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई जबकि दो अन्य लोगों को चाकू से गोदकर मार डाला गया। इस दौरान वह अल्लाह हू अकबर के नारे लगा रहा था। इसे आतंकवादी हमला माना जा रहा है। हमले को आतंकवादी घटना बताने वाले नीस के मेयर क्रिश्चियन एस्टोरसी ने ट्विटर पर कहा कि कि यह नोत्रे दामे चर्च के पास हुआ और पेरिस में फ्रेंच टीचर सैमुअल पैटी पर हुए हमले जैसी घटना है। उन्होंने कहा कि हमलावर बारबार अल्लाह हू अकबर चिल्ला रहा था। चर्च के अंदर मारा गया एक व्यक्ति चर्चा का वॉर्डन माना जा रहा है। मेयर ने कहा, हिरासत में लिए जाने के दौरान संदिग्ध चाकू हमलावर को पुलिस ने गोली मारी, वह जिंदा है और अस्पताल ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा, बहुत हो चुका, फ्रांस के लिए अब शांति के नियमों से खुद को बाहर निकालने का समय है ताकि निश्चित रूप से इस क्षेत्र से इस्लामफासीवाद का सफाया हो सके।

मिशन शक्ति को जन जन तक पहुंचाने में जुटी 34 लाख बेटियां

ह्वाट्सएप ग्रुपों के जरिये 30 लाख अभिभावकों को किया गया जागरूक

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 29 अक्टूबर। योगी सरकार के मिशन शक्ति को बेटियों का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है । मिशन शक्ति के पहले चरण को जन जन तक पहुंचाने में 34 लाख बेटियों ने सहभागिता की है । समग्र शिक्षा की ओर से 17 से 25 अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रमों में रिकार्ड संख्या में छात्राओं और महिलाओं ने सहभागिता की । इस दौरान आयोजित कार्यक्रमों के जरिये छात्राओं को उनके मौलिक अधिकार, शिक्षा के अधिकार, बाल अधिकार के साथ ही पास्को एक्ट, घरेलू हिंसा और बाल विवाह अधिनियम के बार में जागरूक किया गया। छात्राओं को आवश्यक हेल्प लाइन नंबरों 112,

1098,1090, 1070 और 181 की जानकारी दी गई। उनकों आवश्यकता पड़ने पर इनके इस्तेमाल का तरीका भी बताया गया। राज्य मंत्री बेसिक शिक्षा ने इस दौरान 550000 बेसिक शिक्षकों के जरिये मिशन शक्ति के संदेश और जागरुकता को प्रदेश के हर कोने में पहुंचाने की शुरूआत की। लैंगिक समानता के एक आन लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 307 जिला संयोजकों के जरिये सेमेस्टर आधारित फीडबैक देने को कहा गया। 1050 शैक्षिक संसाधन व्यक्तियों को लैंगिक समानता पर प्रशिक्षण दिया गया । समग्र शिक्षा द्वारा चलाई जा रही जागरूकता मुहिम में 5 लाख अभिभावकों को स्कूल में होने वाले जागरूकता कार्यक्रमों में आमंत्रित किया गया और इनके द्वारा 20 लाख से ज्यादा अभिभावकों को लैंगिक समानता के मुद्दे को लेकर जागरुक किया गया । जिससे कि वे बेटे और बेटियों के बीच भेद भाव को खत्म करें। अभियान के तहत स्कूल स्तर पर करीब डेढ़ लाख ह्वाट्सएप ग्रुप बनाए गए,जिसके जरिये 30 लाख अभिभावकों को जोड़ा गया और इन ग्रुप के जरिये गंभीर मुद्दों पर जागरूक करने वाले संदेश नियमित तौर पर प्रसारित किए जा रहे हैं। सोशल डिस्टेंसिंग के पालन के साथ 6 लाख से ज्यादा बच्चों को स्कूल बुला कर समझाया गया कि उनके साथ यदि कोई भी गलत हरकत करता है ।

विचाराधीन कैदियों को आत्मसमर्पण करने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें सभी विचाराधीन कैदियों को 213 नवंबर के बीच चरणबद्ध तरीके से आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया था। इन विचाराधीन कैदियों की जमानत अवधि लॉकडाउन के कारण बढ़ा दी गई थी।

जस्टिस एल नागेश्वर राव, हेमंत गुप्ता और अजय रस्तोगी की पीठ ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया और जवाब मांगा। शीर्ष अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय जेल सुधार मंच द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी।

सुरक्षा गारंटी के बाद ही पंजाब में बहाल होगी रेल सेवाएं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । भारतीय रेलवे पंजाब सरकार की ओर से सुरक्षा की गारंटी देने और रेलवे ट्रैक खाली कराने के बाद ही ट्रेनों का परिचालन शुरू करेगा। इस बावत रेलवे ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसानों के प्रदर्शन के कारण पंजाब में ट्रेनों का परिचालन नहीं हो रहा है। किसान नए कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता ने राज्य में ट्रेन सेवाओं के बहाल होने की अटकलों के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रेन सेवाएं बहाल नहीं की गई हैं। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार ने स्पष्ट कहा कि जब तक सरकार की ओर से स्पष्ट आश्वासन नहीं मिल जाता है तब तक रेलगाडियां नहीं दौडेंगी। इससे पहले

रेलमंत्री पीयूष गोयल ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को पत्र लिखकर सुरक्षा मुहैया कराने को कहा था, लेकिन अभी तक पंजाब की ओर से कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। ट्रेनों का संचालन बंद होने से पंजाब एवं जम्मूकश्मीर को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सूत्रों के मुताबिक 24 हजार करोड़ रुपये का माल बीच में अटका हुआ है। इसमें यूरिया, होजरी और स्पोर्ट्स का सामान शामिल है। राज्य में मालगाडियों की आवाजाही बंद होने से यूरिया और डीएपी की सप्लाई ठप हो गई है, जिससे गेहूं और आलू की फसल लगाने की तैयारी कर रहे किसान परेशानी झेल रहे हैं। इसके अलावा पंजाब के लिए जाने वाला कोयला भी नहीं पहुंच रहा है। रेलवे के करीब 200 रैक पंजाब में अलगअलग जगहों पर फंसे हुए हैं।

भारत हमला करने वाला है सुनकर पाक सेना प्रमुख बाजवा के कांपने लगे थे पैर

चेहरे पर था पसीना... तब हुई थी अभिनंदन की रिहाई

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। पाकिस्तान के एक मंत्री फवाद चौधरी की तरफ से वहां की संसद में यह कहना कि पुलवामा में हमला इमरान खान के नेतृत्व में पाकिस्तान की बड़ी कामयाबी है, इससे इस्लामाबाद दुनिया के सामने एक नई मुसीबत में फंस सकता है। पाकिस्तान लगातार आतंकी वारदातों को अंजाम देता रहा है, लेकिन इस तरह खुलकर वह कबूल करने से खुद को परहेज करता रहा है। उन्होंने कहा सरकार शुरू से ही यह कहती रही है कि सभी संकेत पाकिस्तान की ओर जा रहे हैं। यह अच्छा है कि पाकिस्तान ने खुद कबूल कर लिया है। मैं आश्वस्त हूं कि हमारी सरकार इस कबूलनामे का इस्तेमाल कर दुनिया को बताएगी ताकि उसे एफएटीएफ में ब्लैकलिस्ट किया जा सके।

गौरतलब है कि एक दिन पहले कि पाकिस्तान के एक सांसद एयाज सादिक ने संसद में बयान देते हुए

कहा कि था भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को भारत के दबाव में आकर छोड़ा गया। उन्होंने कहा कि जब विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि भारत रात 9 बजे पाकिस्तान के ऊपर हमला करने वाला है, इसके बाद मीटिंग में आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा के माथे पर आ गए थे और उनके पैर कांप रहे थे। एयाज सादिक के इस बयान के बाद पाकिस्तान में बवाल मचा हुआ है।

सांसद एयाज सादिक ने कहा कि भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन को लेकर बुलाई गई बैठक में खुद पीएम इमरान खान ने आने से इनकार कर दिया था। उसमें आर्मी चीफ आए तो लेकिन उनके पैर कांप रहे थे और माथे पर पसीना था। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अगर अभिनंदन को सीमा पार नहीं जाने देंगे तो भारत रात 9 बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा।

एयाज सादिक ने कहा मुझे याद है शाह महमूद साहब उसे मीटिंग में थे, जिसमें प्रधानमंत्री साहब ने आने से इनकार कर दिया। चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ आए लेकिन उनके पैर कांप रहे थे और पसीने माथे पर थे। सादिक ने आगे कहा विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी साहब ने इस मीटिंग के दौरान कहा कि खुदा का वास्ता है कि अभिनंदन को वापस भारत जाने दें, क्योंकि 9 बजे रात को हिन्दुस्तान पाकिस्तान के ऊपर हमला कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोई हिन्दुस्तान को कोई हमला नहीं करना था, बल्कि इन्होंने घुटने टेंक कर वापस अभिनंदन को भेजना था। जो इन्होंने किया। गौरतलब है कि 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों की बस पर घात लगाकर हमला किया गया था।

दिल्ली में फूटा कोरोना बम

पहली बार 5700 से अधिक केस मिले, 3.75 लाख के पार पहुंचा आंकड़ा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस राजधानी दिल्ली में रोज एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए एक बार फिर रफ्तार पकड़ने लगी है। गुरुवार को एक दिन में कोविड19 के अब तक के सर्वाधिक 5,700 से अधिक नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण का कुल आंकड़ा 3.75 लाख के पार पहुंच गया है, जबकि मृतकों की संख्या भी बढ़कर 6,400 से अधिक हो गई है।

इसके साथ ही एक्टिव केस भी बढ़कर 31 हजार होने के करीब हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे में जहां कोरोना के 5,739 नए मरीज मिले हैं, वहीं, 27 लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि दिल्ली में संक्रमितों की कुल संख्या 3,75,753 हो गई है। आज दिल्ली में 4,138 मरीज पूरी तरह ठीक भी हो गए। राजधानी में आज कोरोना वायरस संक्रमण के एक्टिव मामले बढ़कर 30,952 हो

गए हैं। वहीं, अब तक कुल 3,38,378 मरीज इस महामारी को मात देकर पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। इसके साथ ही अब तक मरने वालों की संख्या 6,423 हो गई है। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, आज दिल्ली में कुल 60,124 टेस्ट किए गए हैं। इनमें से 17,029 आरटीपीआर/ सीबीएनएएटी / ट्रूनैट टेस्ट और 43,095 रैपिड एंटीजन टेस्ट किए गए। दिल्ली में अब तक कुल 45,76,724 जांचें हुई हैं और प्रति 10 लाख लोगों पर 2,40,880 टेस्ट किए गए हैं। वहीं, यहां कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़कर 3113 पर पहुंच गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने **COVID-**19 की जांच के लिए टेस्टिंग रणनीति बदली है, अब परिवार के सदस्यों और **COVID-**19 पॉजिटिव मरीजों के करीबी संपर्कों का भी टेस्ट किया जा रहा है, इसलिए यहां कोरोना के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। दिल्ली में बुधवार को पहली बार **COVID-**19 के अब तक के सबसे अधिक 5,673 नए मामले सामने आए थे और 40 लोगों की मौत हो गई थी। जैन ने कहा कि हमारे पास 10,000 से अधिक बेड हैं, जिनमे से 5,000 से अधिक बेड खाली हैं। त्योहारों और सर्दियों के मौसम के बाद हमने अपनी रणनीति बदल दी है, हम कोरोना पॉजिटिव मरीज के परिवार के सदस्यों और करीबी संपर्कों वाले सभी लोगों का टेस्ट कर रहे हैं, इसलिए मामलों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग और टेस्टिंग प्रक्रिया अब और मजबूत हो गई हैं। अब हम विशेष रूप से अधिक से अधिक लोगों का टेस्ट कर रहे हैं।

एक नजर

परचून सामान बुक कर ट्रेन से 89 किलो गांजे का पार्सल भेजा

नई दिल्ली। त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की सहूलियत के लिए रेलवे ने त्योहार विशेष ट्रेन चला रखी है लेकिन तस्कर इनमें भी नशीला पदार्थ भेजने से नहीं चूक रहे। बुधवार शाम विशाखापटनम से हजरत निजामुद्दीन पहुंची ट्रेन संख्या 02887 की पार्सल बोगी में 42 अलगअलग पैकेट में 89.3 किलो गांजा बरामद हुआ है। आरपीएफ ने मामले को एनसीबी को सौंप दिया है। एनसीबी जांच में जुटी है। आरपीएफ के मुताबिक, हजरत निजामुद्दीन थाना इंस्पेक्टर किशन कुमार की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि ट्रेन में तस्करी कर गांजा भेजा जा रहा है। ट्रेन संख्या 02887 शुरू किए जाने के पहले ही दिन आरोपियों ने इससे गांजे का पार्सल भेज दिया। निजामुद्दीन स्टेशन पर पार्सल बोगी से उतारा गया कोई पैकेट काले रंग के थैले, कोई खाकी रंग की टेप में लिपटा था तो कोई गत्ते की पेटी में बंद था। इन पैकेट में गांजा भरा था। भेजने वाले ने परचून का सामान बताकर इनकी बुकिंग की थी। बरामद गांजे की कीमत करीब 13.5 लाख रुपये आंकी गई है।

एयर इंडिया के अभियंता की दिनदहाड़े चेन झपटी

नई दिल्ली। विकासपुरी थाना क्षेत्र में बदमाशों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दे रहे हैं। बेखौफ बदमाश ने गुरुवार सुबह एयर इंडिया में कार्यरत उप मुख्य अभियंता के गले से चेन झपट ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे एयर इंडिया में कार्यरत उप मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार टहल रहे थे। इस दौरान वह अपनी सोसाइटी से बाहर निकलकर बुढेला गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर चल रहे थे। तभी पीछे से आए एक मोटरसाइकिल सवार ने गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गया। अभी प्रमोद कुछ समझ पाते, तब तक बदमाश फरार हो गया। विकासपुरी से गुजरने वाले एलिवेटेड रोड पर मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने ऑटो से सफर कर रही महिला से पर्स छीन लिया। नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत एक महिला बुधवार को मंगोलपुरी से जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर की ओर आ रही थी।

सड़क हादसे में दिव्यांग हुए नाबालिग को 12 लाख मुआवजा

नई दिल्ली । पांच साल पहले सड़क दुर्घटना में 45 फीसदी दिव्यांग हुए नाबालिग को अदालत ने 12 लाख रुपये का मुआवजा देने के निर्देश दिए है। मुआवजा रकम की भरपाई दुर्घटना में प्रयुक्त वाहन का बीमा करने वाली कंपनी को करना होगा। मुआवजा रकम पर बीमा कंपनी को नौ फीसदी का ब्याज भी देना होगा। तीस हजारी स्थित एमएसीटी जज हिमानी मल्होत्रा की अदालत ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि जिस समय यह दुर्घटना हुई पीड़ित की उम्र महज 17 साल थी और वह पढ़ रहा था। लेकिन, इस दुर्घटना के कारण पीड़ित को लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। उसके शरीर का निचला हिस्सा 45 फीसदी काम करना बंद कर चुका है। ऐसे में इस दुर्घटना के लिए पूरी तरह से टेंपो चालक जिम्मेदार है। जिसने लापरवाही व तेज रफ्तार से वाहन चलाते हुए नाबालिग को चोटिल किया। इस लिहाज से टेंपो का बीमा करने वाली ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी को निर्देश दिया जाता है कि वह पीड़ित को मुआवजा रकम की भरपाई करे। अदालत ने बीमा कंपनी को यह भी कहा है कि फिलहाल पीड़ित को तीन लाख 75 हजार रुपये का भुगतान किया जाए। बाकी रकम को अदालत परिसर स्थित राष्ट्रीय बैंक में पीड़ित के नाम पर फिक्सड डिपोजिट करा दिया जाए।

डिप्टी सीएम ने तीनों एमसीडी मेयरों के फर्जी दावों पर किया पलटवार

तीनों एमसीडी को 1752 करोड़ रुपये इस साल 26 अक्टूबर तक दिए गए

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज एमसीडी अस्पतालों के स्वास्थ्य कर्मियों को देरी से वेतन देने के मुद्दे पर एमसीडी की तरफ से किए गए झूठे दावों और तुच्छ राजनीति को लेकर तीनों मेयर को चिट्ठी लिखी है। तीनों मेयरों ने पहले सीएम आवास के सामने विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें दावा किया गया कि दिल्ली सरकार की तरफ से एमसीडी को बड़ी मात्रा में राशि का भुगतान किया जाना है। महापौरों की तरफ से किए गए गंभीर दावों पर पलटवार करते हुए डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने तथ्य पेश करते हुए कहा कि पांचवें दिल्ली वित्त आयोग के अनुसार दिल्ली सरकार ने न केवल एमसीडी को बकाया राशि का भुगतान किया है बल्कि एमसीडी के ऊपर दिल्ली सरकार का बड़ा भारी लोन बकाया है। ताजा रिकॉर्ड के आधार पर एमसीडी के पास दिल्ली सरकार का 6008 करोड़ रुपये का लोन बकाया है। जबकि दिल्ली जल बोर्ड का एमसीडी के ऊपर 2596 करोड़ रुपये बकाया भी है।

इसलिए एमसीडी को दिल्ली सरकार को 8600 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करना है। उप मुख्यमंत्री सिसोदिया ने तीनों मेयरों से आग्रह किया कि वे तुच्छ राजनीति से ऊपर उठें और तीनों एमसीडी में

भ्रष्टाचार और वित्तीय कुप्रबंधन के वास्तविक मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने मेयरों से आग्रह किया कि एमसीडी केंद्र सरकार से बकाया 12,000 करोड़ रुपये की मांग करे, जो की दिल्ली के लोगों अधिकार है।

महापौरों को पत्र लिखते हुए उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के तीनों महापौरों के रूप में एमसीडी अस्पतालों के डॉक्टरों, स्वास्थ्य सेवा कर्मियों के वेतन में देरी किए जाने संबंधी आपके कार्यों से हुई बहुत पीड़ा और निराशा के साथ यह पत्र लिख रहा हूं। आपके कार्यों से स्पष्ट है कि एमसीडी के उपलब्ध प्रशासनिक विकल्पों का उपयोग करके मामले का व्यवहारिक समाधान खोजने के बजाय आप केवल झूठ बोलने और इस मुद्दे पर शर्मनाक राजनीति करने में रुचि रखते हैं। इसके जरिए आपने हजारों स्वास्थ्य कर्मियों के परिवारों को दर्द पहुंचाया और जब पूरा देश कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हो गया था उस समयय में राष्ट्रीय राजधानी की प्रतिष्ठा को कम किया है। पिछले कई वर्षों में, न केवल दिल्ली सरकार ने एमसीडी को टैक्स के अपने उचित हिस्से का भुगतान किया है, बल्कि ऋण के रूप में एक बड़ी राशि का भुगतान भी किया है। 1 अप्रैल 2020 तक, शहरी विकास विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, तीनों एमसीडी पर कुल 6,008 करोड़ रुपये का ऋण बकाया है। इसमें ईडीएमसी पर 1977 करोड़ रुपये, एनडीएमसी पर 3243 करोड़ रुपये और एसडीएमसी पर 788 करोड़ रुपये बकाया हैं। यहां तक कि हाल ही में दिल्ली के राज्य वित्त पर कैग की रिपोर्ट (ऑडिट रिपोर्ट नंबर 1) में यह नोट किया गया है कि 31 मार्च 2018 तक दिल्ली सरकार को तीनों एमसीडी से 3814.89 करोड़ रुपये तक के अवैतनिक ऋणों की एक बड़ी राशि देय है। एमसीडी द्वारा दिल्ली सरकार को बकाया ऋण की भारी राशि के अलावा, तीन एमसीडी को सामूहिक रूप से 2596.32 करोड़ रुपये का बकाया दिल्ली जल बोर्ड को देना है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2020 21 के लिए दिल्ली सरकार द्वारा एमसीडी को देय राशि के अनुसार, पांचवें दिल्ली वित्त आयोग की गणना के अनुसार, 26 अक्टूबर 2020 तक कुल 1965.91 करोड़ रुपये देय है।

दिल्ली में अधिकृत सर्विस सेंटरों पर भी लगवा सकेंगे हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । दिल्ली सरकार ने वाहनों में लगने वाली हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने की प्रक्रिया बेहद आसान कर दी है। अब लोग अपने वाहन की नंबर प्लेट अधिकृत सर्विस सेंटरों पर भी लगवा सकेंगे। एचएसआरपी लगवाने के लिए 274 डीलरों के अलावा 384 अधिकृत सर्विस सेंटरों पर भी यह सुविधा होगी। कुल 658 स्थानों पर नंबर प्लेट लगवाई जा सकेगी।

सेंटर बढ़ाए जाने के पीछे सरकार का उद्देश्य है कि लोगों को परेशानी से बचाया जा सके। इसके अलावा एचएसआरपी की होम डिलीवरी की भी व्यवस्था होगी। इसके लिए डेढ़ सौ से लेकर 3 सौ रुपये का अतिरिक्त शुल्क लगेगा। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत का कहना है कि अधिकारियों को सभी वाहनों पर सुगम रूप से एचएसआरपी और कलर कोडेड स्टिकर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। जिससे आम जन को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े । 1 नवंबर से एचएसआरपी और कलर कोडेड स्टिकर की बुकिंग के लिए सिआम द्वारा एकल वेबसाइट यूआरएल उपलब्ध की जाएगी। इस वेबसाइट के लिए एनआइसी तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। बुकिंग के बाद, उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से प्रत्येक चरण का वास्तविक समय में अपडेट मिलेगा। आवेदक को अपॉइंटमेंट की तारीख से कम से कम 2 दिन पहले सूचित कर दिया जाएगा ताकि उन्हे किसी प्रकार की पड़ेशानी का सामना न करना परे। इस वेबसाइट द्वारा ग्राहक नंबर प्लेट की होम डिलीवरी के लिए भी आवेदन कर सकतें हैं। उन्होंने बताया कि 2 सप्ताह के भीतर हमने सेंटरों की संख्या को बढ़ा कर 150 से 658 कर दिया है। शिकायत निवारण तंत्र को भी मजबूत किया जा रहा है ताकि डीलरों द्वारा की गई किसी भी चूक को नजरअंदाज न किया जाए ।

भगत सिंह कॉलेज सुनील कश्यप पर कार्रवाई करेः डीयू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज के शिक्षक डॉ. सुनील कश्यप पर कार्रवाई के लिए कॉलेज को लिखा है।

सूत्रों का कहना है कि कॉलेज प्रशासन को लिखे पत्र में डीयू प्रशासन ने नियमों का हवाला देते हुए कहा है कि सुनील कश्यप ने डीयू के कुलपति का मेल प्रयोग किया और दिल्ली युनिवर्सिटी कंप्यूटर सेंटर के निदेशक को ईमेल और पासवर्ड देने की बात कही। ज्ञात हो कि सुनील कश्यप को डीयू कुलपति का सह विशेष कार्य अधिकारी बनाया गया था। जिसके तहत वह डीयू कुलपति के मेल से मीडिया सहित बाकी लोगों को मेल करते थे।

हालांकि, डीयू ने अब उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए कॉलेज को निर्देश दिया है।

थोक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिये दिशानिर्देशों में बदलाव

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर । औषधि विभाग ने बृहस्पतिवार को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के दिशानिर्देशों में बदलाव किया है। उद्योग जगत के सुझावों और टिप्पणियों के आधार पर उठाये गये इस कदम का मकसद देश में थोक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के विनिर्माण को बढ़ावा देना है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा है, इस लिहाज से न्यूनतम निवेश सीमा के स्थान पर निवेश प्रतिबद्धता' को रखा गया है। इस मामले में उपलब्ध प्रौद्योगिकी विकल्प को ध्यान में रखा जायेगा। यह प्रत्येक उत्पाद के मामले में भिन्न होगी।'' विज्ञप्ति में कहा गया है कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने पीएलआई याजना को 20 मार्च 2020 को मंजूरी दी थी। योजना को अमल में लाने के वास्ते औषधि विभाग द्वारा विस्तृत दिशानिर्देश 27 जुलाई 2020 को जारी करदिये गये थे। इसके बाद विभाग को औषधि

कंपनियों और चिकित्सा उपकरण बनाने वाले उद्योग से कई तरह के सुझाव और जानकारी प्राप्त हुई। इनमें योजना के तहत उद्योगों की प्रभावी भागीदारी के लिये दिशानिर्देशों में कुछ संशोधनों की मांग की गई थी। इन सुझावों का योजना के तहत गठित संबंधित तकनीकी समिति ने परीक्षण किया जिसके बाद समिति की सिफारिशों को योजना की नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की अध्यक्षता वाली अधिकार प्राप्त समिति के समक्ष रखा गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि सिफारिशों पर विचार के बाद अधिकारी प्राप्त समिति ने दोनों योजनाओं के दिशानिर्देशों में संशोधन को मंजूरी दे दी। पीएलआई योजना के तहत जो प्रमुख बदलाव किया गया है उसमें महत्वपूर्ण सामग्री, औषधि मध्यस्थ और सक्रिय औषधि सामग्री के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिये चुनींदा आवेदकों द्वारा न्यूनतम निवेश सीमा' के स्थान पर प्रतिबद्धित निवेश' मानक को रखा गया है।

आदेश गुप्ता ने सुशील के परिजनों को पांच लाख दिए

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने गुरुवार को आदर्श नगर में दलित युवक सुशील के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की। आदेश गुप्ता ने सुशील के परिजनों को तत्काल पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की और कानूनी मदद मुहैया कराने का भी आश्वासन दिया।

उन्होंने आप सरकार से मांग की कि वह एक करोड़ रुपये का मुआवजा दे और मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में करवाए। आदेश गुप्ता ने कहा कि इस दुख की घड़ी में दिल्ली भाजपा सुशील के परिजनों के साथ खड़ी है। केशवपुरम जिला की भाजपा इकाई सुशील के परिजनों को जरूरत पड़ने पर और आर्थिक व कानूनी सहायता उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद है कि पिछले 15 दिनों में यह तीसरी घटना है, जब किसी दलित युवक की हत्या हुई है लेकिन दिल्ली सरकार आरोपियों पर कार्रवाई करने की बजाय मौन रही।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ने झारखंड में तबरेज अंसारी के परिवार को मुआवजा दिया और एक परिजन को नौकरी भी दी लेकिन दिल्ली के पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए उसके पास रुपये नहीं होते हैं। आदेश गुप्ता ने बताया कि उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर से बात की है और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने का आग्रह किया है। बता दें कि तेज आवाज में गाना बजाने से रोकने पर आरोपियों ने सुशील की हत्या कर दी थी।

पर्यावरण एवं विकास में संतुलन जरुरीः नायडू

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने पर्यावरण एवं विकास में संतुलन बनाने पर जोर देते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार, वित्त आयोग और स्थानीय निकायों को कर छूट और उपायों से भवनों के निर्माण को बढ़ावा देना चाहिए। नायडू ने यहां एक उद्योगपतियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह सबसे सही समय है जब पर्यावरण के अनुकूल भवन बनाने पर बल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि न केवल नए भवनों को पर्यावरण के अनुकूल बनाना चाहिए बल्कि पुराने भवनों को प्रकृति के अनुसार विकसित किया जाना चाहिए। इनमें ऊर्जा और जल सरंक्षण को प्रोत्साहन देना चाहिए। उप राष्ट्रपति ने भवनों की अनुकूलता समुदायों के लिए आवश्यक तत्व करार देते हुए कहा कि कार्बन उत्सर्जन को प्रोत्साहन दिया जाना

चाहिए। इससे न केवल भारत मजबूत बनेगा बल्कि देश में हरियाली भी बढ़ेगी। सूखा, बाढ़ और दावानल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन शाश्वत सत्य है और दुनिया भर के देशों को बढ़ते तापमान की चुनौती से निपटने के लिए क्रांतिकारी बदलाव की जरुरत है।

उन्होंने कहा कि सतत् विकास के लिए प्रौद्योगिकी की जरुरत बल दिया और कहा कि प्रमुख चुनौती यह है कि विकास और पर्यावरण में संतुलन बनाया जाए और दोनों को साथ साथ रखा जाए।

वायु प्रदूषण मामले में सुनवाई छह नवंबर तक टली

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (वेबवार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली वायु प्रदूषण मामले की सुनवाई छह नवंबर तक के लिए टाल दी है। यह मामला मुख्य न्यायाधीश अरविंद बोबडे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष जैसे ही सुनवाई के लिए गुरुवार को आया सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अवगत कराया कि इस मामले में केंद्र सरकार ने बुधवार को ही एक अध्यादेश जारी किया है। मेहता ने कहा कि वायु प्रदूषण के मामले में सरकार खुद ही विशेष प्रयास कर रही है। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई छह नवंबर तक के लिए यह कहते हुए स्थगित कर दी कि इस दौरान याचिकाकर्ता अध्यादेश का अध्ययन कर लेंगे। न्यायालय ने सभी पक्षकारों को अध्यादेश की कॉपी देने का

निर्देश दिया। खंडपीठ ने विशेषज्ञों के हवाले से कहा कि वायु प्रदूषण केवल पराली जलाने से ही नहीं हो रहा है। इस पर श्री मेहता ने कहा कि सरकार वायु प्रदूषण के मसले पर व्यापक नजरिया अपनाएगी।

सफल होना है तो जागते हुए सपने देखने होंगे

ईएमसी के तहत सामाजिक उद्यमी अंशु गुप्ता ने स्कूली बच्चों को दी सलाह

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्तूबर । दिल्ली के सरकारी स्कूलों में एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट कुरिकुलम के तहत आज 'गूंज' एनजीओ के संस्थापक अंशु गुप्ता ने बच्चों से संवाद किया। मैगससे सम्मान प्राप्त गुप्ता ने बच्चों को अपने सपने पूरा करने के लिए लगातार काम करते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नींद वाले सपने अलग होते हैं, लेकिन आपको सफल होना है तो जागते हुए सपने देखने होंगे, क्योंकि उस पर आपको काम करना है। सोशल उद्यमी गुप्ता ने कहा कि आपको कहीं कचरा गिरा हुआ दिखे या पुराने कपड़ों का ढेर हो, तो उसे समस्या नहीं बल्कि अवसर समझें और समाधान ढूंढें। आज हमलोग हर साल 6000 टन पुराना मैटेरियल हैंडिल कर रहे हैं। इनमें पुराने कपड़े, चादरें, फर्नीचर जैसी चीजें होती हैं जिन्हें हम नई मुद्रा में बदल दिया है। यह उद्यमिता वाली सोच है जो आपको सीखनी चाहिए। गुप्ता ने कहा कि सेकेंड हैंड मैटेरियल को इतनी बड़ी करेंसी में कन्वर्ट करने में मुझे गांवों से मिली शिक्षा काफी काम आई।

गुप्ता ने कहा कि हमें सिर्फ किताबों तक सीमित रहने के बजाय समाज से जुड़ने का प्रयास करना

चाहिए। उन्होंने कहा कि वह 1990 में जनसंचार की पढ़ाई के लिए दिल्ली आए। उस दौरान उत्तरकाशी में भूकंप आने पर वहां जाकर पीड़ितों की मदद की। उस दौरान मेरी गांव वालों को लेकर धारणा बदली। इसके बाद समाज में लोगों की मदद का बीड़ा उठा लिया। गूंज जैसी संस्था बनने में इसकी बड़ी भूमिका रही। गुप्ता ने बच्चों से संवाद करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की इस बात पर सहमति जताई कि हमें अपने काम में आनंद आना सबसे जरूरी है। गुप्ता ने कहा कि हम काफी दुखी लोगों की पीड़ा से जुड़ते हैं और लोगों के दुख से हम काफी विचलित भी होते हैं। इसके बावजूद यह सोचकर चैन की नींद सोते हैं कि आज कुछ अच्छा किया। उन्होंने कहा कि हमें दूसरों की पीड़ा से जुड़ने का कीड़ा लग गया है और सबकी मदद करने में ही हमें आनंद आता है। इस संदर्भ में श्री गुप्ता ने अपनी एक कविता भी सुनाई 'बस चढ़ा ही रहा था एक और चादर मजार पर, कि नजर बाहर कांपते फकीर पर पड़ गई।' गुप्ता ने दिल्ली की शिक्षा क्रांति की सराहना करते हुए सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा को जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुए काम के कारण ही जब मुझे बच्चों से इस बातचीत का आमंत्रण मिला तो काफी अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों का रिजल्ट देखकर काफी गर्व होता है। श्री गुप्ता ने बताया कि एक ईमानदार सरकारी अधिकारी होने के कारण उनके पिता का बारबार सुदूर इलाकों में तबादला होता रहता था। इसके कारण उन्हें बारहवीं कक्षा तक सात बार स्कूल बदलने पड़े। उन स्कूलों में सुविधाएं भी नहीं होती थीं। श्री गुप्ता ने कहा कि मेरे मातापिता ने सिखाया था कि जहां खाना, वहां रहना, वहां पढ़ना।

इससे मुझे अपनी शिक्षा में आगे बढ़ने में काफी मदद मिली। गुप्ता ने कहा कि आज मुझे सोशल एंटरप्रेन्योर कहा जाता है। लेकिन पहले तो मुझे यह भी नहीं मालूम था कि एंटरप्रेन्योर में कितने 'ई' होते हैं। मैंने यह सब एक एंटरप्रेन्योर बनने के लिए नहीं किया बल्कि मैंने समाज की पीड़ा देखी तो एक कीड़ा उठा था कि समाज का काम करना है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल

समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

4 कॉरिडोर निर्माण के लिए जमीन देगा उत्तरी निगम

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) परियोजना में 4 कॉरिडोर निर्माण के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) चार साल के लिए उद्यान विभाग की जमीन देगा। यह जमीन जनकपुरी मजलिस पार्क और आरके आश्रम मजलिस पार्क पर होगी। उत्तरी निगम जमीन को अस्थायी तौर पर देगा। इंजीनियरिंग विभाग के सूत्रों के मुताबिक, डीएमआरसी और उत्तरी दिल्ली नगर निगम की एक संयुक्त टीम ने गत 16 मई 19 को एक संयुक्त सर्वेक्षण किया था। सर्वेक्षण टीम में सहायक अभियंता एसके गुप्ता और उत्तरी निगम के अधिशासी अभियंता विकास रावत सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। सर्वेक्षण के दौरान डीएमआरसी को जनकपुरी मजलिस पार्क, जनकपुरी से मजलिस पार्क, आरके आश्रम मजलिस पार्क तथा जनकपुरी से मजलिस पार्क पर क्रमशः 507.55 , 1102.35, 298.972 तथा 432.32 वर्गमीटर भूमि की आवश्यकता थी। बताया गया कि इन चार पॉकेट पर कुल 2332.19 वर्ग मीटर भूमि के हस्तातंरण के लिए डीएमआरसी की तरफ से उत्तरी निगम के रोहिणी क्षेत्र स्थित उद्यान विभाग को अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के लिए कहा था, लेकिन उत्तरी निगम ने यह नहीं दी थी। यह मामला लॉकडाउन के कारण कई माह से लटका हुआ था।

उत्तरी निगम ने 200 सफाई कर्मचारियों को स्थायी किया

नई दिल्ली। उत्तरी निगम ने 200 दैनिक मजदूरी करने वाले सफाई कर्मचारियों को स्थायी कर दिया। सिविक सेंटर के केदारनाथ सहनी ऑडिटोरियम में गुरुवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और उत्तरी निगम के महापौर जय प्रकाश ने दैनिक मजदूरी पर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण पत्र वितरित कर स्थायी किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि 2017 सफाई कर्मचारियों की मांग थी कि स्थायी किया जाए और नगर निगम महापौर ने भी सफाई कर्मचारियों की मांग का सम्मान किया और उन्हें पक्का करने का निर्णय किया। निगम के महापौर ने संकल्प लिया था कि निगम के अधिकारियों का वेतन रुके लेकिन सफाई कर्मचारियों का वेतन किसी भी हाल में नहीं रुकना चाहिए और इस बात का विशेष ध्यान रखा गया। सभी इस बात से अवगत हैं कि दिल्ली सरकार की वजह से निगम आज आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पूर्व में नई दिल्ली सरकार समय पर निगम कर्मचारियों को वेतन देने के लिए फंड जारी कर देती थी, लेकिन जब से आम आदमी पार्टी सरकार सत्ता में आई है, वह साथ काम करने की बजाए राजनीतिक द्वेष में भाजपा शासित नगर निगम के फंड जारी करने में आनाकानी करती है। इसके कारण सफाई कर्मी भी प्रभावित होते हैं। उत्तरी निगम के महापौर जयप्रकाश ने कहा कि आम आदमी पार्टी का चुनाव चिन्ह झाड़ू है। झाड़ू का उपयोग कर दिल्ली को साफ और स्वच्छ करने वाले सफाई कर्मियों को ही वेतन नहीं देते हैं। सफाई कर्मियों के वेतन की बात करने गए ।

ग्रीन दिल्ली एप लांच, अब 'युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध' अभियान में हर नागरिक की भागीदारी

कोई भी बड़ा बदलाव लाने के लिए सभी लोगों की भागीदारी जरूरी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोई भी बड़ा बदलाव लाने के लिए सभी नागरिकों की भागीदारी जरूरी है। हमने आज इसी उद्देश्य से 'ग्रीन दिल्ली' एप लांच किया है, ताकि दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध' अभियान में दिल्ली का हर एक नागरिक अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सके। सीएम ने कहा कि अभी यह एप एंड्रॉयड पर उलब्ध है और दूसरे प्लेटफार्म पर लाने का प्रयास जारी है। अब दिल्ली में कोई भी व्यक्ति प्ले स्टोर से एप अपने मोबाइल में डाउनलोड कर प्रदूषण पैदा करने वालों की शिकायत कर सकता है। एप पर फोटो, वीडियो और ऑडियो अपलोड करने के तुरंत बाद शिकायत संबंधित विभाग के पास चली जाएगी और विभाग लोकेशन के आधार पर कार्रवाई शुरू कर देगा। संबंधित विभाग को एप पर प्राप्त शिकायतों का निस्तारण तय समय सीमा के अंदर करनी होगी। एप पर प्राप्त शिकायतों और उसके निस्तारण समेत सभी गतिविधियों की निगरानी ग्रीन वॉर रूम से की जाएगी। इन शिकायतों को निस्तारित करने में विभागों की मदद के लिए 70 ग्रीन मॉर्शल भी नियुक्त किए गए हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पूरे देश के लिए एक उदाहरण पेश करते हुए बॉयो डीकंपोजर घोल का छिड़काव करके पराली को खाद में बदलने का काम

किया है और इसके अभी तक के नतीजे अच्छे आए हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ग्रीन दिल्ली एप लांच करते हुए कहा कि इस समय दिल्ली में प्रदूषण काफी ज्यादा हो गया है, पूरी दिल्ली के लोग प्रदूषण की वजह से काफी तकलीफ में हैं। दिल्ली सरकार और दिल्ली के लोग अपनी तरफ से प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। पिछले 5 सालों में भी हम सब लोगों ने मिलकर कई कदम उठाए, जिसकी वजह से दिल्ली में 25 प्रतिशत प्रदूषण कम भी हुआ। इस साल भी दिल्ली सरकार ने कई सारे कदम उठाए हैं। जैसे दिल्ली में जितने थर्मल पावर प्लांट थे उन्हें बंद कर दिया गया, उनकी वजह से प्रदूषण होता था। दिल्ली में 95 फीसदी उद्योग हैं, जो प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन का इस्तेमाल करते थे, उनमें ईंधन बदल दिया गया है और अब वो नॉन पोल्यूटिंग ईंधन का इस्तेमाल करते हैं। इस साल दिल्ली ने पराली को लेकर पूरे देश के लिए एक उदाहरण पेश किया है। बायो डिकंपोजर केमिकल का छिड़काव करके पराली को खाद बना दिया है। उसके अभी तक के नतीजे बहुत अच्छे आए हैं, लेकिन अभी थोड़े दिन और इंतजार करके सारे नतीजों को आपके सामने रखूंगा। अगर यह सफल होता है, तो शायद पराली से जो धुआं उठता है, उसका अगले साल तक समाधान निकल आएगा। मैं उम्मीद करता हूं कि बाकी सरकारें भी इसका अनुसरण करेंगी। इस बार पूरे दिल्ली के सभी खेतों में इस घोल का छिड़काव करवाया है, उसके अभी तक के नतीजे अच्छे आए हैं। हमने इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी लॉन्च की है, जो पूरी दुनिया की सबसे प्रोग्रेसिव पॉलिसी है और हमने ट्रीट्रांसप्लांटेशन पॉलिसी भी लॉन्च की है।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हम 'ग्रीन दिल्ली' एप लांच कर रहे हैं। हमारा मकसद है कि दिल्ली के एकएक नागरिक को प्रदूषण के खिलाफ अभियान 'युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध' में शामिल किया जाए। सरकार जितनी मर्जी कोशिश कर लें, लेकिन कोई भी बड़ा बदलाव तब तक नहीं आ सकता, जब तक कि उसके साथ जनता न जुड़ें। इसलिए प्रदूषण के खिलाफ अभियान में दिल्ली के एकएक नागरिक को जोड़ने के उद्देश्य से आज हम ग्रीन दिल्ली ऐप लांच कर रहे हैं। इस ऐप को आप अपने प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। अभी यह केवल एंड्राइड पर उपलब्ध है। हम कोशिश कर रहे हैं कि यह बाकी प्लेटफार्म पर भी अगले कुछ दिनों में आ जाए।

कोविड-19 पर रणनीति में किया बदलाव

संक्रमितों के सम्पर्क में आए लोगों की पहचान, जांच में तेजीः जैन

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 29 अक्टूबर । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बृहस्पतिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी नीत सरकार ने कोरोना वायरस से निपटने के लिए अपनी रणनीति बदली है और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों का तेज से पता लगा रहे है और उनकी जांच कर रहे हैं। उन्होंने पिछले कुछ दिनों में शहर में मामले में वृद्धि का इसे एक कारण बताया। जैन ने कहा कि कोविड19 के नये मामले तेजी से बढने को लेकर इसे संक्रमण के प्रसार की तीसरी लहर'' कहना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि यह तीसरी लहर हो भी सकती है, लेकिन किसी भी प्रचलन को देखने के लिए एक हफ्ते का इंतजार नहीं करना चाहिए। त्योहारों के मौसम और बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच दिल्ली में बुधवार को पहली बार कोविड19 के सर्वाधिक 5,600 से अधिक मामले सामने आए थे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए जैन ने नई रणनीति को वायरस को रोकने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ रणनीति' बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार संक्रमित व्यक्ति के पूरे परिवार और

उनके संपर्क में आए लोगों की तेजी से पता लगाकर उनकी जांच कर रही है। मंत्री ने कहा, हम उनकी चारपांच दिन के अंतराल पर दो बार जांच कर रहे हैं। हम नहीं चाहते हैं कि कोई भी संक्रमित मामला छूटे... हमने अपनी रणनीति बदली है, इसलिए मामले बढ़े हैं। मुझे यकीन है कि यह रणनीति कामयाब होगी।' पूछा गया कि क्या सरकार संक्रमित पाए गए व्यक्ति के परिवार के सदस्यों की पहले जांच नहीं करती थी, तो जैन ने कहा कि अधिकारी सिर्फ उन लोगों की जांच करते थे जिनमें कोरोना वायरस जैसे लक्षण होते थे। जैन ने कहा, 'हमारा सारा ध्यान इस पर है कि (कोविड 19) का कोई भी मामला जांच से नहीं छूटे। आप मामलों में बढ़ोतरी देख सकते हैं, लेकिन यह अच्छी रणनीति है और इसके परिणाम जल्दी दिखने चाहिए। विशेषज्ञों द्वारा एक दिन में 15,000 मामले सामने आने का अनुमान लगाए जाने पर उन्होंने कहा, दैनिक कोविड19 मामलों में वृद्धि को देखते हुए विशेषज्ञों ने यह अनुमान लगाया है, लेकिन मामले उस स्तर तक नहीं पहुंचेंगे। हालांकि, हम पूरी तरह तैयार रहना चाहते हैं।'' जैन ने कहा कि बुधवार के बुलेटिन के मुताबिक, कोविड19 अस्पतालों में 5665 बिस्तरों पर मरीज भर्ती थे जबकि 10,100 खाली थे। मंत्री ने बताया कि आरटीपीसीआर परीक्षण की संख्या भी राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ी है। अधिकारियों ने मामलों में बढ़ोतरी के लिए त्योहारी मौसम, सर्दी, आरटी पीसीआर जांच में वृद्धि और कोरोना वायरस रोधी उपायों के बाद लोगों में आत्मसंतोष को जिम्मेदार बताया है। जैन ने कहा कि दिल्ली में कोविड19 के कारण मौत की स्थिति अभी ठीक है। बुधवार के बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली में संक्रमण के कारण 40 लोगों की मौत हुई थी जबकि मंगलवार को 44, सोमवार को 54 और रविवार को 33 मौतें हुई थीं।

हिंदुस्तान की सेना के साथ क्यों नहीं हैं राहुलः पात्रा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि एयर स्ट्राइक के बाद कांग्रेस के शहजादे ने भारतीय सेना के प्रमुख को सड़क का गुंडा कहा था।

राहुल उस हिंदुस्तानी सेना के साथ क्यों नहीं है, जो पाकिस्तान के पसीने छुड़ाती है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान की नेशनल असेम्बली में भाषण देते हुए वहां के विपक्ष के नेता सरदार अयाज सादिक ने कहा है कि जब फरवरी 2019 में पाकिस्तानी पार्लियामेंट्री कमेटी की मीटिंग हुई उसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान आये ही नहीं और वहां के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमर बाजवा के पांव कांप रहे थे। पात्रा ने कहा, 'राहुल आप पसीने छूटने वालों के साथ क्यों हैं? उस हिंदुस्तान की सेना के साथ क्यों नहीं हैं, जो पसीने छुटाती है। उन्होंने कहा कि एयर स्ट्राइक के बाद कांग्रेस के शहजादे कह रहे थे कि कुछ नहीं हुआ है। भारतीय सेना के अध्यक्ष को सड़क का गुंडा कहते हैं।' उन्होंने

कहा कि हमारी सेना ने हमेशा कहा कि हिंदुस्तान हर मोर्चे पर जवाब देने के लिए तैयार है, और दिया भी है। इससे साबित होता है कि मोदी के नेतृत्व में भारत की सेना और शौर्य का पाकिस्तान में किस प्रकार खौफ और डर है।' भाजपा नेता ने कहा, 'जिस पर कांग्रेस के शहजादे का सबसे अधिक भरोसा था, इमरान खान, कमर बाजवा, शाह महमूद कुरैशी, वो सब थरथरा गए हैं। पसीने निकल रहे हैं। नवजोत सिंह सिद्धू से हमने जाने के लिए मना किया था और वो बाजवा के गले लग रहे हैं।

ये सब वो शहजादे के कहने पर कर रहे थे।' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिन मुद्दों पर देश एकमत होना चाहिए, उन्हें कांग्रेस ने डिविजन का विषय बनाया।

हांगकांग ने एयर इंडिया की उड़ानों को एक बार फिर बैन किया

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (वेबवार्ता)। हांगकांग ने कुछ यात्रियों के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद मुंबई से आने वाली एयर इंडिया की उड़ानों पर 10 नवंबर तक के लिए बैन लगा दिया है। बुधवार को एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में यात्रा करने वाले कुछ यात्री हांगकांग पहुंचने पर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए। इसके बाद हांगकांग की सरकार ने 28 अक्टूबर से 10 नवंबर तक मुंबईहांगकांग उड़ान को बैन कर दिया।

हांगकांग की सरकार ने चैथी बार भारत से जाने वाली एयर इंडिया की उड़ानों को प्रतिबंधित किया है। हांगकांग सरकार की तरफ से जुलाई में जारी नियमों के मुताबिक भारत के यात्री हांगकांग तभी आ सकते हैं जब उन्हें यात्रा से 72 घंटे पहले कराई गई जांच में कोविड19 नेगेटिव पाया गया हो। साथ ही सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को हांगकांग पहुंचने पर वहां के एयरपोर्ट पर जांच करना जरूरी है। इस बीच एयर इंडिया एक्सप्रेस को वित्त वर्ष 2019-20 में अब तक का सर्वाधिक 412.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। परिचालन आय तथा यात्रियों की संख्या बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। एयर इंडिया एक्सप्रेस की बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सस्ती दर पर विमानन सेवा देने वाली कंपनी को इससे पूर्व वित्त वर्ष 201819 में 169 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने अप्रैल 2005 से वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया। उसे लगातार पांच साल से शुद्ध लाभ हो रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस को 201920 में 412.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो किसी एक वर्ष में उसका अब तक का सर्वाधिक है।

टेरर फंडिंग केस में एनआईए की श्रीनगर और दिल्ली में छापेमारी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को टेरर फंडिंग केस में जम्मू और कश्मीर की राजधानी श्रीनगर और दिल्ली में नौ स्थानों पर छापे मारे।

कुछ गैर सरकारी संगठनों और ट्रस्टों द्वारा धर्मार्थ गतिविधियों के नाम पर भारत और विदेशों से धन जुटाने और फिर कश्मीर में अलगाववादी गतिविधियों के लिए उपयोग करने के मामले में यह छापेमार कार्रवाई की जा रही है। जांच में शामिल एनआईए के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि एजेंसी श्रीनगर और दिल्ली में छह एनजीओ और ट्रस्टों के 9 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

जिन ट्रस्टों और एनजीओ के ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई चल रही है उनमें फलाहएआम ट्रस्ट, चैरिटी

अलायंस, ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन, जेएंडके यतेम फाउंडेशन, साल्वेशन मूवमेंट और जेएंडके वॉयस ऑफ विक्टिम्स (जेकेवीवीवी) के दफ्तर शामिल हैं।

एनआईए ने बुधवार को श्रीनगर और बांदीपुर में 11 स्थानों पर और बेंगलुरु में एक स्थान पर छापा मारा था। एनआईए ने जम्मू और कश्मीर सिविल सोसाइटी के कोर्डिनेटर खुर्रम परवेज के निवास और दफ्तर में तलाशी ली। इसके अलावा खुर्रम परवेज के साथी परवेज अहमद बुखारी, परवेज अहमद मटका और बेंगलुरु स्थित सहयोगी स्वाति शेषाद्रि, परवीना अहंगर के ठिकानों पर भी तलाशी ली गई।

एनआईए ने 8 अक्टूबर को आईपीसी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उसी के तहत ये कार्रवाई की जा रही है।

आसमान छू रही आलू की कीमत अगले हफ्ते मिल सकती है राहत

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दीपावली से पहले आलू प्याज की बढ़ती कीमत ने लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। फुटकर बाजार में पुराना आलू 45 से 50 रुपये प्रति किलो में मिल रहा है तो नया आलू 60 रुपये प्रति किलोग्राम तक में मिल रहा है। इसी तरह प्याज के दाम 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं।

आसमान को छू रही आलू की कीमत में अगले हफ्ते गिरावट आने की संभावना है क्योंकि अगले सप्ताह पंजाब से आलू की नई फसल बाजार में आ जाएगी। राज्य में इस साल करीब 20 लाख मीट्रिक टन आलू की पैदावार हुई है जो पिछले साल के मुकाबले कम है। आलू के थोक विक्रेताओं का कहना है कि अभी कुछ स्थानों पर आलू की बिजाई चल रही है और कहीं पर आलू की फसल तैयार हो चुकी है। एक सप्ताह के बाद फसल बाजार में आ जाएगी। इससे आलू के दामों में गिरावट हो सकती है। वहीं आलू किसानों का कहना है कि इन दिनों काफी छोटा आलू बीज के लिए दूसरे प्रदेशों में भेजा जा रहा है। इससे आलू की खपत और मांग में बढ़ोतरी हो गई है। आलू की पैदावार इस साल अच्छी होगी क्योंकि पिछले साल किसानों ने आलू से किनारा कर लिया था। इस बार काफी किसानों ने आलू की बिजाई की है। साल 2018 19 में 27 लाख मीट्रिक टन आलू की पैदावार हुई थी। आलू की बंपर पैदावार होने के कारण किसानों को आलू पांच रुपये प्रति किलो से भी कम दाम पर बेचना पड़ा था। कुछ स्थानों पर तो किसानों ने आलू को मुफ्त में ही बांट दिया था। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक डॉक्टर विनोद कुमार तिवारी बताते हैं कि आलू की मुख्य फसल की खुदाई जनवरीफरवरी में होगी।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आयुर्वेदिक उत्पाद 'हल्दीवीटा' लॉंच

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (वेबवार्ता)। सेहत के लिए हल्दी बहुत ही गुणकारी पदार्थ है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में यह रामबाण का काम करता है। घरों में आसानी से उपलब्ध होने के बावजूद बड़ी संख्या लोग यह नहीं जानते कि हल्दी का सही उपयोग कैसे करें और इसके क्या फायदे हैं। हल्दी के उपयोग

को लोकप्रिय बनाने के लिए युवा उद्यमी एवं हल्टीवीटा डॉटकॉम के संस्थापकों समीर गुप्ता और अंकित खंडूरी ने 'हल्दीवीटा' उत्पाद लॉंच किया है। आयुर्वेदिक फार्मूले से तैयार किए गए इस उत्पाद के सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जो शरीर की वायरस के संक्रमण से सुरक्षा करती है। अपने उद्यम हल्दीवीटा के बारे में समीर गुप्ता ने आज कहा कि इसे तैयार करने से पूर्व उन्होंने दो साल तक गहन शोध किया। हल्दीवीटा प्राकृतिक जड़ीबूटियों से बना उत्पाद है। इसमें रंग, गंध या संरक्षित करने के लिए किसी अन्य तत्व का उपयोग नहीं किया गया है। हल्दीवीटा में विशिष्ट श्रेणी की हल्दी 'सुरवर्णा' का इस्तेमाल किया गया है। यह हल्दी हिमालय के दुर्गम क्षेत्र बदरीनाथ के पास उगाई जाती है। इसको तैयार होने में 16 से 18 माह का समय लगता है। इस कारण इसे बूढ़ी हल्दी भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि हल्दीवीटा खाने में बहुत ही स्वादिष्ट है। इसमें 14 प्रकार की स्वास्थ्यवर्धक जड़ीबूटियों का मिश्रण है। इसके सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। साथ ही पुरानी बीमारियों से भी छुटकारा मिलता है। श्री गुप्ता ने कहा कि बाजार में उतारने से पहले उन्होंने स्वयं इस उत्पाद का नौ महीने तक सेवन किया जिसके बहुत ही सार्थक परिणाम सामने आए। जब उन्हें पता चला कि उनकी डायबिटीज और कोलेस्ट्राल में नियंत्रण में आ गए हैं तो वह हैरान रह गए। यही नहीं, इस दरम्यान उनका 20 किलोग्राम वजन भी कम हो गया।

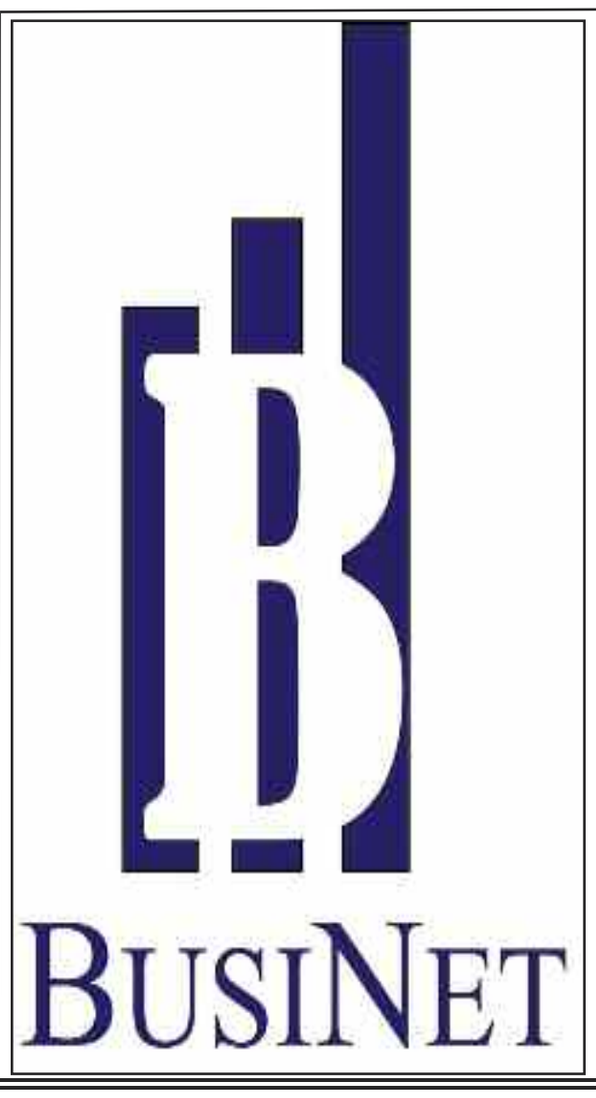

संपादकीय

वायु प्रदूषण के मुद्दे पर ट्रंप ने क्यों की भारत की आलोचना? कितना होगा नुकसान ?

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव बहुत दिलचस्प मोड़ पर पहुंच चुका है। तीन नवम्बर को अमेरिका की आम जनता नए राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए मतदान करेगी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन के बीच सीधा मुकाबला है। इन चुनावों में भारतीय मूल के अमेरिकियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, बावजूद इसके डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत की जिस तरह आलोचना की है, वह न सिर्फ दुखद, विरोधाभासी बल्कि शुद्ध रूप से राजनीति प्रेरित है। भले ही इस आलोचना का कारण कोरोना महामारी एवं बढ़ते पर्यावरण संकटों का ट्रंप पर दबाव हो, अपने देश की जनता से जुड़े इस तरह के सवालों के सटीक जवाब न दे पाने की स्थिति में क्या भारत की आलोचना या चर्चा औचित्यपूर्ण है? इस तरह के बयान एवं आलोचना राजनीतिक अपरिपक्वता की तो परिचायक है ही, सोच के अंधेरों की भी द्योतक है। मतदाताओं को लुभाने के लिये इस तरह के अंधेरों की नहीं, बल्कि रोशनी की जरूरत होती है। 'रोशनी' एक बहुत सीधीसादी लेकिन कुछ बेवफा किस्म की चीज है। वह एकनएक दिन सबको नंगा कर देती है। उनको तो जरूर ही जो उसे आवरणों में कैद रखना चाहते हैं।

राजनीति के हमाम में सब नंगे हैं एवं राजनीति में सब कुछ जायज है, को डोनाल्ड ट्रंप ने भी अमेरिका में चल रहे युद्धस्तरीय चुनाव प्रचार में चरितार्थ कर दिया। भारत की आलोचना वाले डोनाल्ड ट्रंप के उद्गार, 'चीन को देखो, कितना गंदा है। रूस को देखो, भारत को देखो, ये बहुत गंदे हैं, हवा गंदी है।' आश्चर्यकारी है इस तरह बेवजह भारत की चर्चा का होना। यह सर्वविदित है कि अनेक अवसरों पर ट्रंप भारत और भारतीयों को अपना मित्र या सहयोगी बता चुके हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका में बसे भारतीयों का एक बड़ा आयोजन इसलिये कर चुके हैं कि ट्रंप को भारतीयों का सहारा मिले। मोदी और ट्रंप की दोस्ती भी परवान चढ़ती रही है, भारत और अमेरिका के संबंधों में निकटता के साथसाथ आपसी हितों के दर्शन भी होते रहे हैं, ट्रंप यह मानकर चल रहे हैं कि अमेरिका में उन्हें भारतीय मूल के अमेरिकियों के ज्यादा वोट मिलेंगे, लेकिन तब भी क्या उन्हें प्रदूषण या पर्यावरण के मामले में भारत की निंदा करनी चाहिए थी? बेशक, इसमें भारत के साथ रूस और चीन को भी उन्होंने लपेटा है, लेकिन उनका भारत पर विशेष रूप से जोर देना बहुत लोगों को नागवार गुजरा हैं। ट्रंप के द्वारा भारत की इस तरह आलोचना करना अमेरिका की राजनीति में उनके विरुद्ध भी जा सकता है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए होने वाली सीधी बहस का यह आखिरी दौर था और इसमें भारत का नाम लेकर आलोचना करना और पर्यावरण संबंधी अपनी नीतियों का बेशर्म बचाव करने की कोशिश करना अनुचित ही नहीं, शर्मनाक भी है। प्रश्न यह है कि ट्रंप के द्वारा भारत की इस तरह आलोचना करने का क्या यह उचित अवसर था? क्या ट्रंप को इस बात का एहसास हो गया है कि भारतीय मूल के ज्यादातर अमेरिकी मतदाता डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन के पक्ष में मतदान करने वाले हैं? विरोध की राजनीति को अपने पक्ष में करने का यह तरीका ट्रंप के लिये नुकसानदेह ही साबित होता हुआ प्रतीत हो रहा है। इसका तत्काल प्रभाव तो ट्रंप को अपने देश में ही देखने को मिल गया है। उनके भारत विरोधी बयान को न केवल भ्रामक करार दिया गया है, बल्कि बिना सोचेसमझे इस तरह के बयान को निराशाजनक एवं दुर्भाग्यपूर्ण भी माना गया है। भारत भले ही प्रदूषित देशों में शुमार है, जलवायु परिवर्तन के लिये जिम्मेदार देशों में भारत की भी भूमिका हो सकती है, लेकिन जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण एवं प्रदूषण के मामलों में अमेरिका की वर्तमान शासन व्यवस्था भी कम दोषी नहीं है। इसलिये अपनी कमियों को ढंकने के लिये दूसरों को दोषी ठहराने की नीति उचित नहीं कहीं जा सकती।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लखमी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

औषधियुक्त होती है शरद पूर्णिमा की चांदनी

प्रेम और कलाओं से परिपूर्ण होने के कारण श्री कृष्ण ने इसी दिन महारास रचाया था। इसलिए यह तिथि खास तो है ही, इसी दिन से शरद ऋतु का आरम्भ भी होता है। चंद्रमा इस दिन संपूर्ण सोलह कलाओं से युक्त होता है। कहते है इस दिन चंद्रमा की किरणों से अमृत की वर्षा होती है, जो धन, प्रेम और स्वास्थ्य तीनों देती है। इस दिन व्रत रख कर विधिविधान से लक्ष्मीनारायण का पूजन करने से हर मनोकामनाएं पूरी होती है।

शरद पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी संग चंद्रमा की आराधना करने का दिन होता है। वो दिन जब चंद्रमा की किरणों से बरसता है अमृत और मां लक्ष्मी भक्तों के लिए खोल देती हैं धन का भंडार। क्योंकि सोम चन्द्र किरणें धरती में छिटक कर अन्नवनस्पति आदि में औषधीय गुणों को सींचती है। मान्यता है कि इस दिन की गई पूजा और खीर का प्रसाद आपको दिला सकता है दीर्घ आयु होने का वरदान। अगर आपकी किसी खजाने तक पहुंचने की ख्वाहिश है, तो वह पूरी हो सकती है। आपका घर धन से भर सकता है, क्योंकि शरद पूर्णिमा के मौके पर खजाने के वो तीन द्वार जो खुलते हैं सीधे कुबेर के धाम। मान्यता है कि देवीदेवताओं के अत्यंत प्रिय पुष्प ब्रह्मकमल केवल इसी रात में खिलता है। इस रात को ऐरावत हाथी पर बैठे इंद्रदेव और महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। दरअसल, दशहरे के पांचवे दिन यह त्योहार मनाया जाता है। खास यह है कि यह सिर्फ धार्मिक त्योहार ही नहीं है, बल्कि ऋतु परिवर्तन के साथसाथ आध्यात्मिक और रचनात्मक उत्सव भी होता है। वर्षा में शीत की तरफ बढ़ते दिनों का संक्रमणकाल हुआ करता है शरद। उसी का उत्सव है शरद पूर्णिमा। आश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहते हैं। इसे कोजागरी और रास पूर्णिमा भी कहते हैं। किसी किसी स्थान पर व्रत को कौमुदी पूर्णिमा भी कहते हैं। कौमुदी का अर्थ है चांद की रोशनी। इस दिन चांद अपनी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। इस पूर्णिमा पर व्रत रखकर पारिवारिक देवता की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार समुद्र मंथन से इसी दिन लक्ष्मी का उदय हुआ था। इस दृष्टि से यह लक्ष्मी के आगमन का दिन माना जाता है। इसलिए अधिकतर जगहों पर इस दिन लक्ष्मी की पूजा की जाती है। कार्तिक का व्रत भी शरद पूर्णिमा से प्रारंभ होता है। शरद पूर्णिमा का चांद बदलते मौसम अर्थात मानसून के अंत का भी प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन चांद धरती के सबसे निकट होता

है इसलिए शरीर और मन दोनों को शीतलता देता है। इसका चिकित्सकीय महत्व भी है जो स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

वैज्ञानिकों की मानें तो दशहरे से शरद पूर्णिमा तक चंद्रमा की चांदनी विशेष गुणकारी, श्रेष्ठ किरणों वाली और औषधियुक्त होती है। कहा जाता है कि लंकाधिपति रावण शरद पूर्णिमा की रात किरणों को दर्पण के माध्यम से अपनी नाभि पर ग्रहण करता था। इस प्रक्रिया से उसे पुनर्योवन शक्ति प्राप्त होती थी। चांदनी रात में 10 से मध्यरात्रि 12 बजे के बीच कम वस्त्रों में घूमने वाले व्यक्ति को ऊर्जा प्राप्त होती है। सोमचक्र, नक्षत्रीय चक्र और आश्विन के त्रिकोण के कारण शरद ऋतु से ऊर्जा का संग्रह होता है और बसंत में निग्रह होता है। इस दौरान खीर बनाकर उसे खुले आसमान के नीचे रखने का विधान किया गया है। माना जाता है कि इससे खीर में चंद्रमा का अमृत आ जाता है। यह तो है अध्यात्मिक बात, लेकिन इसका एक वैज्ञानिक पहलू भी है। एक अध्ययन के अनुसार, दुग्ध में लैक्टिक अम्ल और अमृत तत्व होता है। यह तत्व किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। चावल में स्टार्च होने के कारण यह प्रक्रिया और आसान हो जाती है। इसी कारण ऋषिमुनियों ने शरद पूर्णिमा की रात्रि में खीर को खुले आसमान के नीचे रखने और अगले दिन खाने का विधान तय किया था। यह परंपरा विज्ञान पर आधारित है।

हर किसी को कम से कम 30 मिनट तक शरद पूर्णिमा की रात में चंद्रमा के सामने रहने की कोशिश करनी चाहिए। रात 10 से 12 बजे तक का समय इसके लिए बेहद उपयोगी बताया गया है, क्योंकि शरद ऋतु में मौसम एकदम साफ रहता है। इस दिन आकाश में न तो बादल होते हैं और न हीं धूलगुबार।

यही वजह है कि शरद पूर्णिमा की रात दमा रोगियों के लिए वरदान बनकर आती है। इस रात्रि में दिव्य औषधि को खीर में मिलाकर उसे चांदनी रात में रखकर प्रातः 4 बजे सेवन किया जाता है। रोगी को रात्रि जागरण करना पड़ता है और औषधि सेवन के पश्चात 23 किमी पैदल चलना लाभदायक रहता है। आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए दशहरे से शरद पूर्णिमा तक हर रोज रात में 15 से 20 मिनट तक चंद्रमा को देखकर त्राटक करें। जो इन्द्रियां शिथिल हो गई हैं, उन्हें पुष्ट करने के लिए चंद्रमा की चांदनी में रखी खीर खाएं। शरण पूर्णिमा की रात में चंद्रकिरणों का शरीर पर पड़ना बहुत शुभ माना जाता है। प्रति पूर्णिमा को व्रत करने वाले इस दिन भी चंद्रमा का पूजन करके भोजन करते हैं। इस दिन शिवपार्वती और कार्तिकेय की भी पूजा की जाती है।

यही पूर्णिमा कार्तिक स्नान के साथ राधादामोदर पूजन व्रत धारण करने का भी दिन है। मान्यता है कि देवीदेवताओं के अत्यंत प्रिय पुष्प ब्रह्मकमल केवल इसी रात में खिलता है। इस रात को ऐरावत हाथी पर बैठे इंद्रदेव और महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। कहींकहीं हाथी की आरती भी उतारते हैं। इंद्र देव और महालक्ष्मी की पूजा में दीया, अगरबत्ती जलाते हैं और भगवा को फूल चढ़ाते हैं।

सुरेश गांधी
www.womenexpress.in

16 कलाओं से युक्त पूर्ण चन्द्रमा की रात शरद पूर्णिमा

अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा जो कि शरद पूर्णिमा कहलाती है इसका जितना महत्व धर्मिक दृष्टि से है, वैज्ञानिक दृष्टि से भी कम महत्व नहीं है। कहा जाता है इस दिन है चंद्रमा धरती पर अमृत की वर्षा करता है। इस दिन प्रेमावतार भगवान श्रीकृष्ण, धन की देवी मां लक्ष्मी और सोलह कलाओं वाले चंद्रमा की उपासना से अलगअलग वरदान प्राप्त किए जाते हैं। माना जाता है कि जो भी व्यक्ति शरद पूर्णिमा के दिन रात में जगा होता है मां लक्ष्मी उन्हें उपहार देती हैं।

श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन भगवान कृष्ण ने ऐसी बांसुरी बजाई कि उसकी जादुई ध्वनि से सम्मोहित होकर वृंदावन की गोपियां उनकी ओर खिंची चली आई थी। ऐसा माना जाता है कि कृष्ण ने उस रात हर गोपी के लिए एक कृष्ण बनाया। पूरी रात कृष्ण गोपियों के साथ नाचते रहे, जिसे महारास कहा जाता है। मान्यता है कि कृष्ण ने अपनी शक्ति के बल पर उस रात को भगवान ब्रह्म की एक रात जितना लंबा कर दिया। ब्रह्मा की एक रात का मतलब मनुष्य की करोड़ों रातों के बराबर होता है।

यही वो दिन है जब चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से युक्त होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है। हिन्दू धर्म में मनुष्य के एकएक गुण को किसी न किसी कला से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि 16 कलाओं वाला पुरुष ही सर्वोत्तम पुरुष है। कहा जाता है कि श्री हरि विष्णु के अवतार भगवान श्रीकृष्ण ने 16 कलाओं के साथ जन्म लिया था। राम 12 कलाओं के ज्ञाता थे तो भगवान श्रीकृष्ण सभी 16 कलाओं के ज्ञाता हैं। चंद्रमा की सोलह कलाएं होती हैं।उपनिषदों अनुसार 16 कलाओं से युक्त व्यक्ति ईश्वरतुल्य होता है।

हमने सुन रखा है कि कुमति, सुमति, विक्षित, मूढ़, क्षित, मूर्च्छित, जाग्रत, चैतन्य, अचेत आदि ऐसे शब्दों को जिनका संबंध हमारे मन और मस्तिष्क से होता है, जो व्यक्ति मन और मस्तिष्क से अलग रहकर बोध करने लगता है वहीं 16 कलाओं में गति कर सकता है। चन्द्रमा की सोलह कला अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण पूर्णामृत और अमा कहलाती हैं। इसी को

प्रतिपदा, दूज, एकादशी, पूर्णिमा आदि भी कहा जाता है। उक्तरोक्त चंद्रमा के प्रकाश की 16 अवस्थाएं हैं उसी तरह मनुष्य के मन में भी एक प्रकाश है। मन को चंद्रमा के समान ही माना गया है। जिसकी अवस्था घटती और बढ़ती रहती है। चंद्र की इन सोलह अवस्थाओं से 16 कला का चलन हुआ। व्यक्ति का देह को छोड़कर पूर्ण प्रकाश हो जाना ही प्रथम मोक्ष है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी तीन अवस्थाओं का ही बोध होता है- जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति। जगत तीन स्तरों वाला है एक स्थूल जगत, जिसकी अनुभूति जाग्रत अवस्था में होती है। दूसरा सूक्ष्म जगत, जिसका स्वप्न में अनुभव करते हैं और तीसरा कारण जगत, जिसकी अनुभूति सुषुप्ति में होती है।

सोलह कलाओं का अर्थ संपूर्ण बोधपूर्ण ज्ञान से है। मनुष्य ने स्वयं को तीन अवस्थाओं से आगे कुछ नहीं जाना और न समझा। प्रत्येक मनुष्य में ये 16 कलाएं सुप्त अवस्था में होती है। अर्थात इसका संबंध अनुभूत यथार्थ ज्ञान की सोलह अवस्थाओं से है। 16 कलाएं दरअसल बोध प्राप्त योगी की भिन्नभिन्न स्थितियां हैं। बोध की अवस्था के आधार पर आत्मा के लिए प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक चन्द्रमा के प्रकाश की 15 अवस्थाएं ली गई हैं। अमावस्या अज्ञान का प्रतीक है तो पूर्णिमा पूर्ण ज्ञान का। शरद पूर्णिमा की चमकीली रात का धार्मिक महत्व तो है ही वैज्ञानिक महत्व भी है। आयुर्वेद के अनुसार शरद पूर्णिमा के दिन औषधियों की स्पंदन क्षमता अधिक होती है। रसाकर्षण के कारण जब अंदर का पदार्थ सांद्र होने लगता है, तब रिक्तिकाओं से विशेष प्रकार की ध्वनि उत्पन्न होती है। शरद पूर्णिमा की रात में आकाश के नीचे खीर रखने की भी परंपरा है। इस रात लोग खीर बनाते हैं और फिर 12 बजे के बाद उसे प्रसाद के तौर पर गहण करते हैं। इस रात चंद्रमा आकाश से अमृत बरसाता है इसलिए खीर भी अमृत वाली हो जाती है। ये अमृत वाली खीर में कई रोगों को दूर करने की शक्ति रखती है। खीर को चांदी के पात्र में सेवन करना चाहिए। चांदी में प्रतिरोधकता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। अध्ययन के अनुसार दुग्ध में लैक्टिक अम्ल और अमृत तत्व होता है। यह तत्व किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। चावल में स्टार्च होने के कारण यह प्रक्रिया और आसान हो जाती है। इसी कारण ऋषिमुनियों ने शरद पूर्णिमा की रात्रि में खीर खुले आसमान में रखने का विधान किया है। यह परंपरा विज्ञान पर आधारित है।

संदीप सृजन
ए99 वी. डी. मार्केट, उज्जैन ।
www.womenexpress.in

रोगों का नाश करती है शरद पूर्णिमा

हिंदू पंचांग के अनुसार अक्टूबर और नवम्बर माह में कई बड़े व्रत त्योहार पड़ रहे हैं। इनमें शरद पूर्णिमा का पावन पर्व 30 अक्टूबर, शुक्रवार को देशभर में मनाया जाएगा। शरद ऋतु की पूर्णिमा काफी महत्वपूर्ण तिथि है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ 30 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 45 मिनट से हो रहा है, जो अगले दिन 31 अक्टूबर को रात 8 बजकर 18 मिनट तक रहेगा। शरद पूर्णिमा 30 अक्टूबर को होगी। शरदीय नवरात्र के बाद पड़ने वाली पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा कहा जाता है। इस पूर्णिमा को आश्विन पूर्णिमा, कोजोगार पूर्णिमा, कौमुदी उत्सव, कुमार उत्सव, शरदोत्सव, कमला पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है हिंदू धर्म में सभी पूर्णिमा में आश्विन पूर्णिमा का विशेष महत्त्व है। शास्त्रों के अनुसार यह दिन आमजन के लिए लाभकारी है। मान्यता है शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपनी 16 कलाओं में रहकर पृथ्वी के काफी करीब रहता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन चंद्रमा से निकलने वाली किरणों में सभी प्रकार के रोगों को हरने की क्षमता होती है। इसीलिए कहा गया है कि शरद पूर्णिमा की रात आकाश से अमृत वर्षा होती है। इसी अमृत वर्षा को चखने के लिए घर घर में खुले आसमान के नीचे खीर बनायीं जाती है। इस खीर को प्रसाद के रूप में अगली सुबह वितरित किया जाता है।

पूर्णिमा की चांदनी में खीर बनाकर खुले आसमान के नीचे रखने के पीछे वैज्ञानिक तर्क यह है कि चंद्रमा के औषधीय गुणों से युक्त किरणें पड़ने से खीर भी अमृत के समान हो जाएगी। उसका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होगा। बताया जाता है दूध में लैक्टिक नामक अम्ल पाया जाता है, जो चंद्रमा की किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। साथ ही चावल में स्टार्च पाया जाता है जिस वजह से ये प्रक्रिया और भी आसान हो जाती है। इसी कारण ऋषिमुनियों ने शरद पूर्णिमा की रात्रि में खीर खुले आसमान में रखने का विधान किया है। यह परंपरा विज्ञान पर आधारित है। शोध के अनुसार खीर को चांदी के पात्र में सेवन करना चाहिए। चांदी में प्रतिरोधकता अधिक होती है। इससे विषाणु दूर रहते हैं। आयुर्वेदिक औषधियों को भी अगर चंद्रमा की रोशनी में रखा जाए तो उनकी गुणवत्ता में भी इजाफा हो जाता है। देश के ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है। अंतरिक्ष के समस्त ग्रहों से निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा चंद्रकिरणों के माध्यम से पृथ्वी पर पड़ती हैं। इस दिवस से वर्षा काल की समाप्ति तथा शीत काल की शुरुआत होती है। शरद पूर्णिमा को भगवान कृष्ण से भी जोड़ कर देखा गया है। इसे रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता यह है कि शरद पूर्णिमा की रात्रि को भगवान् श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ महा रास नामक दिव्य नृत्य किया था। इस दिन धन, वैभव और ऐश्वर्य की देवी माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक शरद पूर्णिमा को माता लक्ष्मी रातभर विचरण करती हैं। जो लोग माता लक्ष्मी की पूजा करते हैं और अपने घर में उनको आमंत्रित करते हैं, उनके यहां वर्ष भर धन वैभव की कोई कमी नहीं रहती है। शरद पूर्णिमा के अवसर पर देश के अनेक स्थानों पर अस्थमा पीड़ितों के लिए खास औषधि का वितरण किया जाता है। यह औषधि चंद्रकिरणों से तैयार की जाती है।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
मालवीय नगर, जयपुर ।
www.womenexpress.in

दिवास्वप्न की कसौटी पर वर्तमान शैक्षिक परिदृश्य

गत शताब्दी के प्रारंभ में देश के राजनीतिक फलक पर एक युगांतरकारी घटना हुई जिसने देशदुनिया को प्रभावित किया। वह वह घटना थी, जनवरी 1915 में महात्मा गांधी की दक्षिण अफ्रीका से भारत वापसी। गांधी जी के साथ ही एक व्यक्ति, गिजुभाई बधेका, भी भारत आए हैं जो अफ्रीका में गांधी जी के साथ आश्रम में रहते हुए वकालत के काम में सहयोग करते थे। भारत आने के बाद महात्मा गांधी देश की राजनीति और सामाजिक सांस्कृतिक तानेबाने को समझने के लिए यात्राओं पर निकले। गिजुभाई की रुचि राजनीति में न थी, और वह वकालत के पेशे से भी नहीं जुड़ना चाहते थे। नियति ने शायद उनके लिए कुछ नया करने, नये दृश्य रचने रंगने को एक नया वितान सुरक्षित रखा छोड़ा था। पथ सूझते न देख, द्वंद्व में फंसे गिजुभाई ने एक दिन गांधी जी के समक्ष एक सवाल रखा कि यहां मैं क्या करूं और गांधीजी ने कहा कि गिजु! तुम बच्चों के लिए एक विद्यालय खोलो। एक ऐसा विद्यालय जहां बच्चों को अपनापन मिले, जहां बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथ के हुनर को तरासा जाए। बस, गिजुभाई को जैसे राह मिल गई और वह हटकर कुछ नया रचने के संकल्प के साथ पथ पर बढ़ने लगे। बड़ा आश्चर्य होता है यह जानकर कि गिजुभाई बधेका जिसका संबंध शिक्षा के क्षेत्र से दूरदूर तक नहीं था, उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में ऐसे नवीन प्रयोग किये जो आज भी ना केवल प्रासंगिक हैं बल्कि प्रकाश स्तंभ की भांति शिक्षकों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। गिजुभाई ने 1916 में भावनगर (गुजरात में) दक्षिणामूर्ति बालमंदिर से जुड़कर अपने शिक्षा सम्बंधी प्रयोग आरम्भ किये। 15 वर्षों की शिक्षकीय साधना से हासिल अनुभव को ही 1932 में 'दिवास्वप्न' के रूप में लोक को सौंप दिया। आज से लगभग एक शताब्दी पूर्व गिजुभाई विद्यालय की छवि एक आनंदघर के रूप में देखते हैं और वह न केवल कल्पना करते हैं बल्कि तमाम झंझावातों, रुकावटों एवं बाधाओं से लड़तेजूझते हुए अपने प्रयोग सिद्ध करते हैं। प्रस्तुत आलेख में आगे की यात्रा हम 'दिवास्वप्न' के रथ पर सवार होकर करेगें।

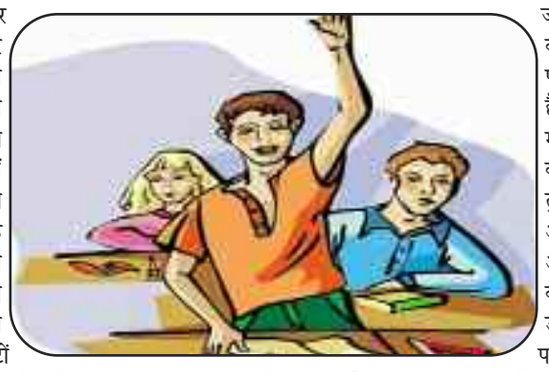

आगे बढ़ने से पहले मुझे वर्तमान शैक्षिक तंत्र के परिदृश्य में उभर रहे सवालों को उठाना समीचीन प्रतीत होता है ताकि विगत एक शताब्दी के गुजरे समय में शैक्षिक ढांचे में हुए बदलावों को हम दिवास्वप्न के निकष के आधार पर समझ सकें। आर्जी शक्षकों के सम्मुख स्वयं की अस्मिता एवं अस्तित्व की रक्षा करने का संकट मुंह बाये खड़ा है। विद्यालय एवं कक्षाओं में स्वयं के विवेक एवं बच्चों की आवश्कतानुरूप पाठ्य सामग्री तय एवं निर्माण करने और काम करने की आजादी नहीं है वरन् उनकी रचनात्मकता ऊपर से प्राप्त तमाम दिशानिर्देशों के बोझ तले दबनेपिसने को विवश है। शिक्षकों पर सरकारों का (और समाज का भी) भरोसा नहीं है, इसीलिए विद्यालयों एवं कक्षाओं में उनकी उपस्थिति एवं क्रियाकलापों की निगरानी के लिए तमाम तकनीकी उपकरण लगवाने के साथ ही औचक निरीक्षण भी किये जा रहे है। ध्येय समर्पित शक्षकों के काम का उपहास और उपेक्षा की जा रही है, विडंबना तो यह कि जमीनी काम कर रहे शिक्षकों कें प्रयासों का माखौल उड़ाने में शिक्षक साथी भी शामिल दिखाई देते हैं। अब दिवास्वप्न की ओर बढ़ते हैं। गिजुभाई की शिक्षा अधिकारी से पहली भेंट ही निराश करने वाली रही, पर उनके आग्रह पर अधिकारी तमाम हिदायतें और विभागीय नियमों का हवाला देते हुए कहते हैं, ''देखो, जैसे चाहो वैसे प्रयोग करने की स्वतंत्रता तो तुम्हें है ही लेकिन यह भी ध्यान में रखना के बारहवें महीने में परीक्षा सामने आ खड़ी होगी और तुम्हारा काम परीक्षा के परिणामों से मापा जाएगा।'' मेरे मानस पटल पर प्रश्न कौंधता है कि आज भी हम इस परीक्षा प्रणाली से मुक्त नहीं हो पाए हैं। यह परीक्षा प्रणाली जो बच्चों के मौलिक एवं स्वतंत्र चिंतन करने, कल्पना, अनुमान, अवलोकन, तर्क, तुलना आदि से उपजे उसके अनुभव से अर्जितनिर्मित ज्ञान के अभिव्यक्ति में एक सबसे बड़ी बाधा के रूप से उपस्थित है। परीक्षा में उसका मूल्यांकन उत्तरपुस्किाओं में पाठ्यपुस्तकों पर आधारित तथ्यों एवं निष्कर्षों के पुनर्लेखन पर ही निर्भर है। यह परीक्षा प्रणाली बच्चों को रटने की पद्धति को स्वीकारने को विवश करती है ना कि उनमें वैज्ञानिक दृष्टि एवं चेतना का संचार करने तथा तार्किक विश्लेषण करने की क्षमता का विकास करने की। हालांकि सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के रूप में एक आकर्षक इंद्रधनुष सामने दिखता जरूर है पर वह शैक्षिक धरातल पर उतरने से अभी कोसों दूर है। बच्चे अनंत ऊर्जा से लबरेज होते हैं। एक शिक्षक को बच्चों के साथ काम करते समय ना केवल स्वयं में ऊर्जा, सहनशक्ति, संवेदनशीलता एवं धैर्य बनाए रखना होता है बल्कि सभी बच्चों के साथ मिलकर सीखनेसिखाने की प्रक्रिया को गति भी देना होता है। ऐसी स्थिति में प्रायः पूर्व नियोजित योजनाएं ध्वस्त हो जाती हैं और शिक्षक को तत्काल नई गतिविधियां खोजनी आवश्यक हो जाती हैं। गिजुभाई लिखते हैं, ''मेरे यह नोट्स बेकार हैं। घर में बैठेबैठे अटकलें लगाना और कल्पना में पढ़ा लेना सहज था लेकिन यह तो लोहे के चने चबाने जैसा है।'' आज भी शिक्षक इन्हीं चुनौतियों से जूझते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास में प्राणपण से जुटे हुए हैं।

गिजुभाई 'दिवास्वप्न' में एक दृश्य उकेरते हैं, '' छुट्टी शब्द सुनते ही लड़के 'हो हो' करके कमरे से बाहर निकले और सारे स्कूल में खलबली मच गई। सारा वातावारण 'छुट्टी, छुट्टी, छुट्टी' शब्दों से गूंज उठा। लड़के उछलतेकूदते और छलांगें भरते घरों की तरफ भागने लगे।'' उल्लेखनीय है, विद्यालयों का वर्तमान दृश्य इससे बहुत अलग नहीं है। बच्चे स्कूलों से जल्द घर पहुंचना चाहते हैं। छुट्टी बच्चों को आनंद प्रदान करती हैं। छुट्टी की घंटी बजते ही कक्षाओं में कैद कल्पना एवं रचनात्मकता की खुशबू जैसे बंधनों से मुक्त हो जाने का उत्सव मनाती हुई परिवेश में बिखर जाती है।

प्रमोद दीक्षित 'मलय'
बाँदा, (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

गले- गले तक जातिवाद में डूबा राजनीति

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार बेरोजगारी जैसी गंभीर जमीनी समस्या सचमुच मुख्य चुनावी मुद्दा बना हुआ है।जातिवाद के महासागर में यह उफान संभव होना कोई छोटी सी बात नहीं है ,लेकिन धरातल पर कितना उतरता है यह तो वक्त बताएगा।लेकिन साथियों पिछले माह ही हमने सुना कि राज्य में 15 साल से मुख्यमंत्री की कमान थामे जदयू नेता नीतीश कुमार ने एक नया पासा यह फेंका कि यदि किसी दलित का मर्डर हुआ तो वो पीड़ित परिवार के एक सदस्य को नौकरी देगे ,आज दोस्त हमें सोचने के लिए यह मजबूर कर रहा है कि नौकरी देने के लिए मर्डर की हसरत बड़ा ही अजीब और विडंबना भी है। इसी नीतीश कुमार के दांव को भापकर हमने देखा कि मुख्य विपक्षी पार्टी राजद ने प्रदेश के बेरोजगारों को लुभाने के लिए बेरोजगारी हटाओ नाम से पोर्टल लांच किया।कहीं यह सब केवल चुनावी घोषणाएं तो नहीं ना है।

वैसे दोस्त देश में बेरोजगारी की हालत कितनी गंभीर है, इसका अंदाजा उन सरकारी आंकड़ों से लगाया जा सकता है, जिनके मुताबिक देश में मनरेगा के तहत इसी साल अप्रैल से लेकर अगस्त तक पांच महीनों में 83 लाख से अधिक नए जॉब कार्ड बने हैं, जो बीते सात सालों में सर्वाधिक हैं। जबकि वर्ष 201920 में कुल 64.70 लाख मनरेगा कार्ड ही जारी किए गए थे। जाहिर है कि कोरोना और लॉकडाउन ने सबसे ज्यादा गरीबों का काम छीना है। अकेले बिहार की ही बात करें तो लॉकडाउन के दौरान 40 लाख प्रवासी बिहारी मजदूरों को काम गंवाकर घर लौटना पड़ा था। इनमें से बहुत कम फिर अपने काम पर लौट सके हैं। जो नए मनरेगा कार्ड बने हैं, उनमें भी बिहार दूसरे नंबर पर है। वहां पांच माह में 11.22 लाख नए जॉब कार्ड बने हैं। अर्थात राज्य में इतने बेरोजगार और बढ़ गए हैं। इस परिस्थिति को भी राजनीतिक दल 'आपदा में अवसर' के चश्मे से देख रहे हैं। लिहाजा इस बेरोजगार वोट बैंक को लुभाने की होड़ शुरू हो गई है। ध्यान रहे कि पूरे देश में इस साल 3 सितंबर तक कुल 14.36 करोड़ मनरेगा कार्ड बने हैं। यानी इतने लोगों को काम चाहिए। बिहार कितना बदला या बदल रहा है, इसके बरक्स यह कड़वी सचाई है कि देश का बेरोजगारी ग्राफ बहुत तेजी से बदल रहा है। सीएमआईई की 4 सितंबर 2020 की रिपोर्ट देखें तो देश में बेरोजगारी की दर बढ़कर 8.3 प्रतिशत हो गई है। जिसमें शहरी बेरोजगारी दर 9.7 तथा ग्रामीण बेरोजगारी दर 7.9 प्रतिशत है। राज्य में बेरोजगारी को कोर चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है। यह कितनी कामयाब होगी, यह देखने की बात है। भारतीय राजनीति की विडंबना यह है कि यूं तो हर चुनाव में बेरोजगारी और महंगाई जैसे जमीनी मुद्दे उछाले जाते हैं, लेकिन दूसरे भावनात्मक मुद्दों के आगे ये निस्तेज हो जाते हैं।

विक्रम क्रांतिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय ।

www.womenexpress.in

जिंदगी में मुस्कुराएं

जिंदगी खुलकर जीने लगा हूं,
अब तो मैं भी मुस्कुराने लगा हूं,
ना राहों को मोड़ों किनारे,
मैं संभलकर चलने लगा हूं ।

जिंदगी यूं ही बेबस नही होती,
हमारी उमंगे ही कहीं कम होती।
ना अंधेरे का डर ये दिखाओ,
ना पल पल मुझे यूं सताओ ,
आशियां मैं सच का बनाकर,
खुद सितारे बसाने लगा हूं ।
दर्द जितने भी हैं इस जहां में,
खुशियां देकर भुलाने लगा हूं,
राह चलते हर अजनबी को,
देखकर मुस्कुराने लगा हूं ।

होंठों से तो सभी मुस्कुराते,
आंखों से मैं मुस्कुराने लगा हूं ,
जिंदगी में बात सपनों की करते,
हम तो जागे में मुस्कान भरते ।

आओ मिलकर जहां हम बसाएं
मैल मन से मन का कराएं ,
बस खुशियां ही खुशियां मनाएं
आओ खुलकर सभी मुस्कुराएं ।
जिंदगी खुलकर जीने

कार्तिकेय त्रिपाठी
इन्दौर ।

www.womenexpress.in

तेरी दोस्ती से फैला जीवन में उजियारा है

हर अंधेरों को दूर कर, रोशन
जहां हमारा है।
सखी, तेरी दोस्ती से फैला
जीवन में उजियारा है।

जहां काम ना आवे, रिश्ते नाते,
सखी, तेरी दोस्ती ने संभाला
हमारा ठिकाना है।

चाहे ना हो खून के रिश्ते इनसे,
फिर भी हरदम साथ निभाया
हर वक्त हमारा है।

कभी खामोश रहकर तो कभी
मजबूत कांधा बनकर,
हर संघर्ष में साथी बनकर,
वक्त संभाला हमारा है।

कभी मां सी समझदार, तो
कभी नटखट बहना,
हर रूप में सारथी बनकर,
संभाला जीवन का पहिया है।

चाहे कितनी भी कठिनाइयां
आई हो जीवन में,
सखी ,तेरे साथ से ही बनाया
नया मुकाम है।

खो सी गई थी इस धुमिल
जीवन के जंजाल में,
सखी, तुमने ही मुझे स्वयं से
मिलाया है।

जीवन के हर मोड़ पर, हर
सुखदुख में,
तेरी दोस्ती के एहसास ने ही
नया फलसफा बनाया है।

नहीं कोई लाभ हानि, ना कोई मोह,
सखी, तुमने बिना स्वार्थ के हर
पल दोस्ती का रिश्ता निभाया है।

तुम्हारी दोस्ती अनमोल देन है
जिंदगी की,
सूरज के किरणों की आभा से
जीवन महकाया है।

शुक्रिया अदा करू किन
लफ्जों में सखी, तुम्हारा,
तुम्हारी दोस्ती से मुकम्मल जहां
हमारा है।

योगेश्वरी कुंवर सिसोदियां
डूंगरपुर, राजस्थान।

www.womenexpress.in

जीवन का अभिनंदन

इस हृदय में कितने हैं क्रंदन,
इस क्रंदन को भी अभिनंदन ।
यह जीवन गरल, नहीं चंदन,
इस जीवन को भी अभिनंदन।
कहीं प्रेम की वर्षा बरस रही,
तो मादकता सी छाई है।
कहीं दुख के कंटक पर चलकर,
यह रजनी रो कर आई है।
उस रजनी का भी उर वंदनद्य
उस प्रेम का भी अभिनंदन ।
यह जीवन गरल ,नहीं चंदन,
इस जीवन का भी अभिनंदन।
वह दिन भर माटी ढोता है,
फिर भी वह चैन से सोता है।
वह दिन भर गिनता है सोना,
फिर भी रातों को रोता है।
वह माटी नहीं ,है चंदन।
उस माटी का भी अभिनंदन।
यह जीवन गरल, नहीं चंदन,
इस जीवन का भी अभिनंदन।
जब भट्टी में दुख तपता है ,
तभी ही तो कुंदन बनता है।
आशाओं की थामे में डोर रहो,
फिर समय भी आकर झुकता है।
दुख भी बन जाएगा कुंदन।
उस आशाओं का अभिनंदन।
यह जीवन गरल ,नहीं चंदन,
इस जीवन का भी अभिनंदन।

कामिनी मिश्रा
बीघापुर, उन्नाव ।

www.womenexpress.in

आखिरी सहारा

जब रही राह भटक जाए ।
मंजिल तक वह पहुंच न पाए ।
अंधियारी गलियों में, मध्यम प्रकाश
की लौ,
आखिरी सहारा बन आस जगाए ।

किसान की लाचारी उसे रूलाए ।
सूखी धरती पीड़ित कर जाए।

मेह की बरसती एक बूंद भी,
आखरी सहारा बन मुस्कान दिलाए ।
जब बेबसी बगावत पर उतर आए ।
अवसाद ग्रसित ये मन हो जाए ।

भक्ति की शक्ति ही जीवन में ,
आखरी सहारा बन रौशनी दिखाए ।
जब घुटती सांसें बेदम हो जाए ।
सोच हवा में तिनके सी बिखर जाए।
आस्था और विश्वास ही उस पल,
आखिरी सहारा बन नैया पार लगाए।

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)।

www.womenexpress.in

कल देखा है

नित कर्मों की बेला से
जीवन को जीना सीखा है,
जो ओढ़ चादर नील गगन की
वो बच्चा सोते देखा है ।

कंचन वर्णी किरणों से
पहले जगते जो देखा है,
वो चप्पल की तकिया संग
गिट्टी का बिस्तर देखा है ।
नित कर्मों की बेला से
महलों को सोते देखा है,
आज नहीं कल ही वो
महलों को गिरते देखा है ।

आज नहीं कल भी मैंने
जीवन को जीते देखा है,
नित कर्मों की बेला से
जीवन को जीना सीखा है।

कुमार प्रिंस रस्तोगी
लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।

www.womenexpress.in

मन के डोर से....

पी रहा हूं सिगरेट तुम्हारी याद
भुलाने के लिए,
कमबख्त धुएँ में भी तुम्हारी
तस्वीर दिखती है ।
मन के डोर से प्यार को बांध
ना सका ...।
मन के डोर से प्यार को बांध
ना सका.....।।
जा रहा हूं दूर तुमसे बिछड़ी हुई
यादें लिए ..,
सड़कों पर भी तुम्हारी तस्वीर
झलकती है ।
अपनी ओर से प्यार को बांध
ना सका...।
मन के डोर से प्यार को बांध
ना सका...।।
इधर का हुआ ना उधर का हुआ ..।
यें दिलनशीं बता किधर का हुआ।।
अश्कों के हिलोर से प्यार को
बांध ना सका ।
मन के डोर से प्यार को बांध
ना सका।।

मनोज शाह
मोती नगर, नई दिल्ली ।

www.womenexpress.in

जिगर चाहिए

जिंदगी देनेवाला खुदा, कर्म
आमाल इंसान के हाथ,
अच्छेबुरे में फर्क समझने,
इंसानी जिगर चाहिए!
सारी सुविधाएं, हो जातपात
अमिरीगरीबी से परे,
दम तोड़ते हुए मरीज को,
सहारा वक्त पर चाहिए !
वक्त पर रोटी मिले ना मिले,
महामारी के मौसम में,
गरीबों की जान बचाने,
दवाईयां वक्त पर चाहिए!
तकलीफ सहने की बात, हम
से ना करो शेख
उसके लिए तो सिर्फ मजदूर
का जिगर चाहिए!
तोला जाएगा सभी कर्मों को,
इंसाफी तराजू में,
कर्मों का फल चखने , सब्र
वाला जिगर चाहिए!
जुल्म करनेवालों से, जुल्म
सहनेवाला गुनाहगार,
जुल्म के खिलाफ लड़ने, पत्थर
का जिगर चाहिए!

मुख्तार शेख

www.womenexpress.in

नारी का स्वरुप-जैसे छावं और धुप

जन्म देती, प्रेम देती, करती
पालन पोषन
रुप इसका है अलौकिक ,
शीतलमयी है मन
संघार करे, विधवंस करे,
करती है क्षमा भी
चंचलता है मन मंदिर मे,भाव
संजोती है पावन।
धन धान को ना तरसे,तरसे
बस सम्मान को
प्रेम दो ,सम्मान दो ,बस यही
मांगे हर नारी
घरबाहर दोनो काम सम्भालने
मे है सक्षम ,
निडर वो निर्भीक वो चुनौतियों
की रखती हरदम तैयारी।

नंदिता माजी शर्मा
मुंबई, महाराष्ट्र ।

www.womenexpress.in

मैं कविता हूं...!

जी हां, मैं कविता हूं..!
अनेक संभावनाओं से,
ओतप्रोत धरोहर हूं
मैं कुछ कथन करना चाहती हूं!
वह सत्य ,
जो अक्सर छुप जाता है
वह आवाज ,
जो हमेशा दब जाती है
मैं प्रवाहित नदी की ,
अविरल धार हूं..!
मैं नाजुक फूल की पंखुड़ी हूं !
कोमल शीतल चांद की चांदनी हूं!
मैं प्रेम हूं ,बिरह भी हूं!
मैं श्रृंगार हूं वीर भी हूं !
मैं राग हूं अनुराग भी..!
मैं सत्य हूं शिव हूं और सुंदर भी.!
मेरे अंदर अनुभूति है..!
प्रेरणा है...अभिव्यक्ति भी है.!
मैं हमेशा ,कुछ न कुछ,
बोलना चाहती हूं..!
क्योंकि ...मैं कविता हूं..!
ज़ी हां मैं कविता हूं....!!

प्रज्ञा मिश्रा
पुणे, मुंबई ।

www.womenexpress.in

नारी का गौरव

अस्तित्व में जीवन संस्कार में रौनक
प्रकृति का अभियान
सृजन की धनक नारी से पृथक
कहीं ढूंढ पाओगे .....?

पायल की झंकार
चिड़ियो सी खिलखिलाहट
फूलों की खुशबू
चूड़ियों की खनखनाहट
बेटियों के बिना कहां से लाओगे ?

बेटियों का नारी का
करोगे जो अपमान,
खो जाएगी किसी दिन
तुम्हारे चेहरे की मुस्कान खुशहाली
से दूर बहुत ही पछताओगे !!
नारी के बिना जीवन कैसे पाओगे?

डॉ. मुक्ता कान्हा कौशिक
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।

www.womenexpress.in

नसीब मेरा

क्या सँवारेगा तू नसीब मेरा,
हर कोई है यँहा रक़ीब मेरा।
क्यों न हैरत से देखती दुनिया,
फैसला भी तो था अजीब मेरा।
कुछ मिरे हक में थीं दुआएं कम,
कुछ मुकद्दर रहा ग़रीब मेरा।
एक रिश्ता सा बन गया उससे,
मैं गज़ल और वो अदीब मेरा।
सबकी नज़रोंमें इक सवाल साहै,
जब से तू बन गया हबीब मेरा।
उससे लड़कर इक सुकून मिले,
उससे रिश्ता बड़ा अजीब मेरा।
हमे मंजिल की जुस्तजू है मगर,
देखें देता है क्या नसीब मेरा।
डोर से कट चुकी पतंग हूं मैं,
अब हवाओ में है मुजीब मेरा।

अभिलाषा सिंह,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।

www.womenexpress.in

चुनावी मेंढ़क

लो आ गयाफिर चुनाव का मौसम
टर्र टर्र करेगें फिर चुनावी मेंढ़क।
उछलेंगे, कूदेंगे, तुम्हारे आगें बेशुमार
वादों की बरसात करेंगे लगातार।
टर्र टर्र करेगें चुनावी मेंढ़क बार बार।
ढोल, नगाड़े, बाजों संग गड़
गड़ाहट करते आएंगे
मूसलाधार बारिश की तरह
अभी बरस जाएंगे
हाथ जोड़ पैरों में गिरेगे, सियार
से रंग जाएंगे।
बादलबदली से गले भी मिल जाएंगे।
भरे बादलों सा झुकेगें, छाया
भी अतियश कर देगें
जीत गए जो एक बार ये
चुनावी मेंढ़क
तो अपने जंगल का शेर बन जाएंगे।
जाना भी चाहोगे पास इनके तो दहाड़ेंगे
अभी गरज हैं तो ये टर्र टर्र
करते जाएंगे।
सावधान रहें इन चुनावी मेढ़कों
की टर्र टर्र से
बेमौसम की बरसात हैं ये
चुनावी मेंढक
फायदा कम नुकसान ज्यादा करायेगे।
चुनाव का मौसम हैं तो चुनावी मेढ़क
टर्र टर्र टर्र टर्र करते जायेंगे।

गरिमा राकेश गौतम
कोटा, राजस्थान ।

www.womenexpress.in

ए माँ सब तेरा

जन्मी तू ही, तू ही पालनहार,
तेरे होने से ही,ये घर ये संसार
तू ने ही जन्म दिया
पालन भी तेरा अधिकार ....
ए माँ सब तेरा ,
बस नाम पिता का मेरी पहचान
कैसी रीत ये, कैसी प्रीत ये...
तू ही पाले, तू ही सींचे....
फिर भी ये समाज ऐसी रेखा
खींचे है....
सांस तेरी है,आस तेरी है...
सब तेरा अधिकार ,
ए माँ सब तेरा ,
बस नाम पिता की मेरी पहचान ।।

डॉली शर्मा
ग्रेटर नोएडा, (उत्तर प्रदेश) ।

www.womenexpress.in

आजकल...

आजकल कहीं नहीं ईमान
मिलता है,
अब ढूंढने पर भी शैतान
मिलता है ।
रिश्वत लेना शराफत की
निशानी है,
सारी दुनिया पैसे की दीवानी है।
कभी बिन माँगे मदद मिलती थी,
अब माँगने पर भी एहसान
मिलता है।
आज जो ईमानदार है,वो ही बेकार है,
और बेईमान लोगो का
जबरदस्त शिकार है।
भ्रष्टाचार का यहाँ बोल बाला है,
लोगो का दिल बहुत ही काला है।
रिश्ते नाते हैं बस नाम की चीज है,
दिलों मे पनप रहे नफरत के
बीज है।
लोग जलालत की जिदंगी जी रहे है,
एक दूसरे का लहू खूब पी रहे है।
कभी बिन माँगे ही प्यार मिलता था,
अब मांगने पर भी फरमान
मिलता है।

अंशिता दुबे
लंदन ।

www.womenexpress.in

अकेले ही लड़ना है

उम्मीदें कितनी है तुझ पर तेरे
अपनों की
मातापिता दोस्त और भाइयो
बहनों की
कर पालन किया था जो वादे
वचनों की
अंत समय तक ना छोड़ डगर
सपनों की।
कर इज्जत सदैव अपने
गुरुजनों की कमाई कर व्यवहार,
कुशलता, आदर्शों की
हो सफल इज्जत बड़ा ,अपने
परिजनों की
आस ना कभी कर,ऊंचे बंगले
भवनों की।
चल मंदमंद मगर रोक न चाल
कदमों की
ना कर परवाह जीवन में
मिथक कथनों की
मुश्किलें लाखो हो, अपने
मंजिलएसफर की
मगर कर परिश्रम,त्याग चेननींद,
आरामों की।
ना रख उम्मीद किसी से साथ
सहयोग की
यहां तो पड़ी है सबको अपने
मतलब की
इस जहां में कोई कदर नहीं उस
इंसा की
जो सत्य हो खाता कमाई अपने
मेहनत की।
थोड़ापढ़ भी ले ऐयुवा,वक्त है
अभी भी
कर्तव्य जान ले अपने और हक
अधिकार भी
हो यदि भ्रष्टाचारअन्याय तो उठा
आवाज भी
पढ़कर लड़, लड़कर पढ़ और
आगे बढ़ भी।
अपार दुख है जीवन में,खुशियों
की है बौछार भी
राहे नदियों समान बना,हौसला
बना पठार भी
जीत जब तक ना मिले,अपनी
मान मत हार भी
हुनर दिखा जीत जहां,मिलेगा
सम्मान उपहार भी।
अकेले ही लड़ना है तुझे,आएगा
ना कोई भी
बढ़ निरंतर आगे खुद बन योद्धा
और सारथी
सुन ले कुछ कहे जमाना, तो
कोई टोकेगा भी
हर विघ्न पार कर दिवान
कोई रोकेगा भी
होगा सफल तो,जमाना तुझे
सलाम ठोकेगा भी।

दिवान एस भुगवाड़े
बड़वानी, मध्य प्रदेश ।

www.womenexpress.in

बेटी की चाह

भ्रूण बन मां की कोख में
आशा की किरण लेकर आई
मातपिता दोनों मिलकर
डॉक्टर जी से चेकअप कराये

मै घबराई सहमी सी
डॉक्टर जी की वाणी सुनी
डॉक्टर जी ने प्रेम से बोला
गर्भ में बेटा नहीं बेटी है

डरथा मुझे समय से पहले
अंदर ही मारी न जाऊं
चाह मेरी थी मनमे
मै बाहर जीवित आजाऊ
मातपिता का प्रेम पाऊं

लोरी गान का आनंद पाऊं
मातपिता का बोझ न बनूं
उनके घर की लक्ष्मी बन
उनका घर स्वर्ग बनाऊ
दुःख में उनके हाथ बटाकर
बेटी नहीं बेटा कहलाऊं

विनोद कुमार सीताराम दुबे
जौनपुर, उत्तर प्रदेश ।

एक तरफा प्यार की सजा

एक तरफा प्यार की सजा
आज कितनी बेबस लड़कियां पाई
बेकसूर होके भी वो मौत भरी
जिंदगी या ताउम्र का दर्द ही पाई।।
कसूर बस इतना इकरार न करने
पर तेज़ाब से झुलस आंसूं बहाई।।
क्या यही है सच्चा प्यार
जिसमें नामरद
किसी बच्ची की जिंदगी तबाह कराई।।
है अगर झुलसाने के बाद
भी सच्चा प्यार
तो अब वही झुलसी लड़की
क्यों न अपनाई।।
सच्चाई तो ये है ये मोहब्बत
नहीं तुम्हारी
बस जिस्म चाहे हवस
की भूख है मिटाई।।
अपनाओ अगर सच्चा प्यार है तो
क्यों मुंह मोड़ घिन तुम्हें उसी
चेहरे से आई।
देखो तबाह हुई एक बेटी
की जिंदगी जो
तुमहारे गुस्से को अब
शांत है करवाई।।

वीना आडवानी
नागपुर, महाराष्ट्र ।

www.womenexpress.in

नारी जीवन

शम्मासा जलता है पलपल,
और पिघलता नारी जीवन।
देकर घर भर को उजियारा,
आँखें मलता नारी जीवन ।।
कर्म निभाती है वो तत्पर, हर
मुश्किल से लड़ जाती
गहन निराशा का मौसम हो, तो
भी आगे बढ़ जाती
पत्नी, माँ के रूप में सेवा, तो
क्यों खलता नारी जीवन।
देकर घर भर को उजियारा,
आँखें मलता नारी जीवन।।
संस्कार सब उससे चलते,धर्म
भी सभी उससे खिलते
तीजपर्व नारी से पोषित,नीति
मूल्य सब उसमें मिलते
आशा और निराशा लेकर,नित
ही पलता नारी जीवन।
देकर घर भर को
उजियारा,आँखें मलता नारी जीवन।।
कहने को तो दो घर उसके,पर
सब कुछ है बेमानी
भटकभटककर, तड़पतड़पकर
कटती देखो ज़िन्दगानी
त्याग औ करुणा, धैर्यनम्रता,
कंटक चलता नारी जीवन।
देकर घर भर को उजियारा,
आँखें मलता नारी जीवन।।
कर्मठता,पर शोषण
होता,छल,मातम के मेले हैं
दुख, तकलीफ़ें, व्यथावेदना,
हर पल रोज़ झमेले हैं
स्वयं छोड़कर, सारे गृह को
हरदम फलता नारी जीवन ।।
।देकर घर भर को
उजियारा,आँखें मलता नारी जीवन।।
ताक़त बेहद,पर नेहिल है,है
संतोषम् परम् सुखम्
नहीं निराशा औ मायूसी,हाल
वही अब भी कायम
नतमस्तक हो अनाचार सह,
खुद को छलता नारी जीवन।।
देकर घर भर को उजियारा,
आँखें मलता नारी जीवन।।

प्रो. शरद नारायण खरे
मंडला (मध्य प्रदेश) ।

www.womenexpress.in

प्यारी सी शरारत का इंतज़ार है

प्यारी सी शरारत का इंतज़ार है,
दोस्तो की चाहत का इंतज़ार है।
बड़ी बैचैन है दिल की धड़कने,
यारों की अदालत का इन्तजार है।

एक जमाना हुआ, उनसे गले लगे,
रिश्तो कि गर्माहट का इंतज़ार है।
अब दोस्त मिलते नही भटके हुए,
दुश्मनो से दावत का इंतज़ार है।
दिल भरे थे, यारो की भीड़ से,
यारों की लानत का इंतज़ार है।
जिंदगी की शाम हो गई शायद,
दोस्तों की सलामत का इंतजार है।
उम्र हुई दराज़, वे निकले फरेबी, संजीव,
दहलीज पर, इक आहट का इंतज़ार है।

संजीव ठाकुर
रायपुर ।

www.womenexpress.in

मेरा दर्द तो खत्म ...

कोई खून नहीं कोई चोट नहीं
कोई मधुमेह नहीं परंतु...
मुझे एक घाव हुआ है
बाहर नहीं यह मेरे अंदर है
एक टुटा हुआ प्यार से
घाव बढ़ जाएगा
मेरा दर्द तो खत्म ...
दिन प्रति दिन मेरा घाव
ठीक नहीं परंतु...
मेरा दिल पकड़ने
दूसरा प्यार ज़ख्म
ठीक नहीं किया खुद...
परंतु मेरा जीवन
साथ चलो दूसरा प्यार
क्या मजाक है जीवन के बारे में
और प्यार ? बिना ठीक ...

ओट्टेरी सेल्वा कुमार

www.womenexpress.in

बुमराह और यादव ने मुंबई को दिलाई आरसीबी पर शानदार जीत

(विशेष संवाददाता)

अबुधाबी, 29 अक्टूबर । जसप्रीत बुमराह की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद सूर्यकुमार यादव की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग के शीर्ष दो टीमों के मुकाबले में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को पांच विकेट से हराकर प्लेआफ में प्रवेश तय कर लिया। बुमराह की कसी हुई गेंदबाजी के सामने देवदत्त पडीक्कल (45 गेंद में 74 रन) को छोड़कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का कोई बल्लेबाज नहीं टिक सका और वे छह विकेट पर 164 रन ही बना सके। जवाब में मुंबई ने पांच गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारतीय टीम में नहीं चुने जाने का गम भुलाते हुए यादव 43 गेंद में 10 चैकों और तीन छक्कों की मदद से 79 रन बनाकर नाबाद रहे।

इस जीत के बाद मुंबई 12 मैचों में 16 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि आरसीबी इतने ही मैचों में 14 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स के 12 मैचों में 14 अंक है लेकिन वह नेट रनरेट के आधार पर तीसरे स्थान पर है। किंग्स इलेवन पंजाब और कोलकाता नाइट राइडर्स के 12 मैचों में 12 अंक हैं। मुंबई के लिये यादव को छोड़कर हालांकि कोई बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सका। हार्दिक पंड्या ने 15 गेंद में 17 रन बनाये। क्विंटॉन डिकॉक (19) और ईशान किशन (25) अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई आरसीबी के लिये पडीक्कल ने 45 गेंद में 12 चैकों और एक छक्के की मदद से 74 रन बनाये। उन्होंने पहले विकेट के लिये जोश फिलीपे (33) के साथ 71 रन जोड़े। इसके बाद आरसीबी का मध्यक्रम चरमरा गया और मुंबई के गेंदबाजों ने दबाव बना लिया। बुमराह ने चार ओवर में सिर्फ 14 रन देकर तीन विकेट लिये। पडीक्कल ने डीप एक्स्ट्रा कवर पर चैके के साथ शुरूआत की और तीसरे ओवर में कृणाल पंड्या को लगातार तीन चैके लगाये। दोनों सलामी बल्लेबाजी ने बिना किसी दबाव के खेलना जारी रखा।

मुंबई ने शानदार गेंदबाजी की: कोहली

अबुधाबी, 29 अक्टूबर । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने डैथ ओवरों में मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी टीम 20 रन पीछे रह गई। आरसीबी को छह विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद मुंबई ने पांच गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। मुंबई के लिये जसप्रीत बुमराह ने 14 रन देकर तीन विकेट लिये।

आरसीबी के बल्लेबाज आखिरी पांच ओवर में 35 रन ही बना सके। कोहली ने कहा,'' आखिरी पांच ओवरों में अजीब सी बल्लेबाजी रही। हमारे शॉट सीधे उनके फील्डर के पास जा रहे थे। मैदान पर ऐसा होता है।'' उन्होंने कहा,'' उन्होंने

अच्छी गेंदबाजी की और आखिरी पांच ओवर में हम 20 रन पीछे रह गए।'' कोहली ने कहा कि आखिरी दो मैच जीतकर उनकी टीम शीर्ष दो में जगह बना सकती है। उन्होंने कहा,'' कुछ टीमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जल्दी करती हैं तो कुछ गलत समय पर खराब खेल जाती है। अंकतालिका को देखें तो निचले हाफ की टीमें काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। हमें दो मैच और खेलने हैं और दोनों जीतकर हम शीर्ष दो में रह सकते हैं।'' मुंबई के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने नाबाद 79 रन बनाने वाले सूर्यकुमार यादव की तारीफ करते हुए कहा,'' हालात जो भी हो, उसने बार बार अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम में नहीं चुने जाने से वह काफी दुखी होगा लेकिन मुझे लगता है कि वह चयन के काफी करीब है।'' उन्होंने कहा,'' मैं चीजों को बाहर से ही देख रहा हूं।

कंगना ने की निर्देशक सर्वेश मेवाड़ा की तारीफ

'तेजस' की टीम संग अभिनेत्री और उनके भाई-बहन ने की मस्ती

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 29 अक्टूबर । बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। कंगना अपनी आगामी फिल्म 'तेजस' की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। फिल्म में वह पायलट के किरदार में होगी। फिल्म को सर्वेश मेवाड़ा निर्देशित करेंगे। कंगना ने फिल्म की पूरी टीम का स्वागत किया है और उन्हें खाना खिलाया और फिर जमकर डांस किया। कंगना ने फिल्म के निर्देशक के साथ अपनी तस्वीर शेयर की है और उनकी प्रशंसा भी की है। इससे पहले कंगना ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फैमिली मेंबर्स और फिल्म की टीम के साथ मस्ती में झूम रही है। 'क्वीन' की अभिनेत्री कंगना रनौत ने ट्विटर पर 'तेजस' के निर्देशक सर्वेश मेवाड़ा के साथ तस्वीर शेयर कर लिखा 'फिल्में बनाने का सबसे आश्चर्यजनक पहलू यह है कि आप

कई सारे अद्भुत आर्टिस्ट से मिलते हैं। कुछ गंभीर प्रतिभा, तेजस के लेखक निर्देशक, हमारी टीम के कैप्टन सर्वेश मेवाड़ा से मिलकर काफी अच्छा लगा।' कंगना ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर कर लिखा'यह एक प्यारी शाम थी। सर्वेश मेवाड़ा, हमारे कोच विंग कमांडर अभिजीत और कुछ रिश्तेदारों के लिए के लिए डिनर का आयोजन किया। मेहमानों को एंटरटेन करने के लिए मैंने अपने भाईबहनों से मदद मांगी और इन्होंने तो हद ही पार कर दी।' वीडियो में उनकी बहन रंगोली चंदेल और अक्षत ने भी जमकर डांस किया। इस दौरान सभी लोग 'गुलाबी आंखें जो तेरी देखीं' गाना गा रहे हैं और जमकर डांस कर रहे हैं। कुछ दिन पहले कंगना ने फिल्म के स्पेशल ट्रेनिंग के बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी। उन्होंने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें वह निर्देशक सर्वेश मेवाड़ और विंग कमांडर अभिजीत गोखले के साथ वर्कशॉप में भाग लेती दिख रही थी। कंगना ने 26 अक्टूबर को एक वीडियो शेयर कर लिखा था'टीम तेजस ने आज से वर्कशॉप शुरू कर दिया है। सुपर प्रतिभाशाली निर्देशक सर्वेश मेवाड़ा और हमारे कोच विंग कमांडर अभिजीत गोखले के साथ काम शुरू करने में बहुत खुशी हुई।' इससे पहले कंगना ने एक और वीडियो जारी किया था। इस वीडियो में वह तेजस के लिए ट्रेनिंग लेती नजर आ रही थी।

सिल्वर स्क्रीन पर फिर बागी बनेंगे टाइगर श्राफ

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

मुंबई, 29 अक्टूबर । बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्राफ सिल्वर स्क्रीन पर फिर से बागी बनने जा रहे हैं। टाइगर श्रॉफ की हिट फ्रेंचाइजी फिल्म बागी को बेहद पसंद किया गया। अब इसकी चैथी सिक्वल आने वाली है।

फिल्म में टाइगर श्रॉफ ही लीड रोल निभाएंगे। ''बागी 4'' को लेकर औपचारिक घोषणा कर दी गई है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने इसकी जानकारी ट्विटर पर शेयर की है।

तरण आदर्श ने ट्विटर टाइगर श्रॉफ, निर्देशक अहमद खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला की एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, ''बागी टीम फिर से लौट रही है। टाइगर श्रॉफ, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक अहमद खान फिल्म बागी लेकर आ रहे हैं।

शूटिंग दिसंबर में शुरू होगी। तरण आदर्श ने बताया कि टाइगर श्रॉफ दिसबंर में फिल्म हीरोपंती 2 की शूटिंग शुरू करेंगे, जिसका निर्देशन अहमद खान ही कर रहे हैं और इस फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। गौरतलब है कि इससे पहले अहमद खान ''बागी 2'' और ''बागी 3'' का निर्देशन कर चुके हैं।

एक जज्बा है...

हमारे पास रुतबा है न धन हैं
न दौलत है
भले ही कुछ न हो जीने का
एक जज्बा है

भले ही अंधेरा घना हो मगर
ताज़ा हवा है

हमारे पास ज़िंदा रहने का एक
वास्ता है
उनके पास फ़ुर्सत ही कहाँ
रिश्ता निभाने की

मेरा कुछ लगता है मगर मुझ से
ख़फ़ा है

सन्नाटा सा इस बस्ती में लगा है
फ़िज़ा बताती है कहीं पर कुछ
हुआ है

खिड़की चौखट और दहलीज़
के पत्थर
इन आँखों से देखने को एक
जरिया है

मुकेश बिस्सा
गांधी कॉलोनी, जैसलमेर ।
www.womenexpress.in

पिया मुझे ले चलो

क्षितिज के उस पार, पिया मुझे
ले चलो।
तेरा जहाँ अनंत प्यार ,वहाँ मुझे
ले चलो।।
बार बार देखती हूँ सपनें सलोने मैं।
ख्वाब में बाँहों में झूम लगी
खोने मैं।
नयन में भर प्यार,करती हूँ इजहार,
प्यार का सुनूँ सितार,दिल के
पास ले चलो।।
नवीन मिलन बहार हो,नूतन
संसार हो।
देख सुन सके न कोई,मेरा ही
प्यार हो।
मैं अकेली राहों में,पिया की
बाँहों में।
लगी हो रिमझिम फुहार,पिया
मुझे ले चलो।।
इक दुजे दिल की सुनें,नयन से
नयन मिले।
चलते रहें जीवन भर,प्यार के
सिलसिले।
हो जाऊँ मदहोश मैं, तेरे
आगोश में।
भूल जाऊँ यह संसार,पिया मुझे
ले चलो।।

शिव सन्याल
कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मेरा क्या क़सूर

मैंने इश्क़ की उससे तो क्या,
मेरी कोई खता थी इसमें ??
वह छोड़ गया सपने दिखाकर,
मेरा इसमें क्या क़सूर था ??

इश्क़ करता हूँ कहकर,
पास आया, क़रीब लाया।
दिन का झाँसा देकर,
अंधेरी रात में छोड़ गया।
इन सब बातों में जाने
मेरा क्या क़सूर था
मैं तो करती रही इश्क़ बेपनाह
उतरना चाहा था उसके रूह तक।

लेकिन, उसने मुझे काली
अँधियारी रात में
वीरान पड़ी सड़कों की तरह
बीच राह में तन्हा छोड़ गया।

तो इसमें मेरा क्या क़सूर था ??
बोलो इसमें मेरा क्या क़सूर था ??

गीतिका पटेल
बिलासपुर (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

हम सभी में श्रेष्ठ हैं बस

बन रहें थे और कुछ वो
सामने कुछ और आया
सत्य की जब खोज की तब
तथ्य भी कुछ और आया

भूल की उस वर्ग ने भी
पर इसे सुलझा ना पाया
सत्य से लड़ ना सके वो
फ़िर उन्होने सच छिपाया
श्रेष्ठ खुद को ही समझ कर
आत्म संतुस्टी करी थी
पर पुराणों ने उन्हें फ़िर
सत्य से अवगत कराया

कह रहें थे श्रेष्ठ हैं हम
वर्ण में भी ज्येष्ठ हैं हम
झाँक कर देखा स्वयं को
तो सामने अतीत पाया

आईने के सामने भी
वो सदा लज्जित रहेंगे
हम सभी में श्रेष्ठ हैं बस
जो सदा ऐसा कहेंगे

विमल राव लेखक
भोपाल, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

किन्नर के भी ज़ज्बात होते हैं

किन्नर ... राम राम सेठ ,
राम राम
क्या हुआ सेठ ? आज हमें
देख के खुशी नहीं हुई ?
तुम तो हमेशा हमें देख कर
खुश होते थे, कहते थे
लक्ष्मी माता की
कृपा तुमसे ही होती है , आज
मुंह क्यों लटका हुआ है , सब ठीक
तो है ना ।
चलो , लाओ जल्दी से हमारा
दिवाली का इनाम ।

सेठ इस बार कुछ कम रूपए
देता है ।
क्या हुआ सेठ आज सच्ची में
मूड़ ठीक नहीं लग रहा , कोई तो
बात है ,
सेठ बताओ तो हम भी तुम्हारे
अपने है , क्या बात है ।

अरे शीला क्या बताऊं तुम्हें ,
जो मुझ पर बीत रही है , वो तुम
नहीं समझोगी ,
रूआंसा होकर मुझे पोते की
आस थी इश्वर ने पोती
झोली में डाली ।

अरे बधाई हो सेठ इश्वर ने तुम्हे
बेटी तो दी , हम जैसा तो नहीं
बनाया , शुक्र मनाओ उस
परवरदिगार का जिसने झोली में
फूल डाला , हमारे मां बाप की
झोली में देखो ,
इश्वर ने हमारे जैसा कैक्टस
दिया । सेठ हमेशा लक्ष्मी लक्ष्मी
करते हो आज लक्ष्मी स्वंय
पधारी तो उसका आदर नहीं ?
बेटी या बेटा दो ही दे इश्वर
सबको , हम जैसा किसी
को ना दे ।

और सुनो , परवरदिगार ने हमें
तुम जैसा चाहे नहीं बनाया , लेकिन
एहसास तो हमें भी
दिए हैं , ज़ज्बात हमारे भी होते
हैं, दिल हमारे अन्दर भी तुम सा ही
धड़कता है ।
जज्बातों से भरे इन्सान तो हम
भी हैं !

प्रेम बजाज
जगाधरी (यमुनानगर) ।
www.womenexpress.in

क्षमा सबसे बड़ा धर्म

क्षमा सबसे बड़ा धर्म ।
क्षमा करने वाला होता महान ।
क्षमा कर अंतस पाता ।
पूर्ण शांति सत्य ।
होता तनाव मुक्त ।
क्षमा करते ही ।
मस्तिष्क में बुद्धि होती ।
निर्मल स्वच्छ ।

क्षमा सबसे बड़ा धर्म ।
मार्ग होता सरल सदमार्ग ।
कर्म होते सत्कर्म ।
क्षमा करते ही ।
मानव लोभ,मोह,क्रोध,
अहंकार का होता अंत ।
मानव का हृदय,बुद्धि ।
मन सब विकार मुक्त हो ।
पाता आनंद परमानंद ।

क्षमा सबसे बड़ा धर्म ।
मानव का कल्याण ।
होता सदा और शुभ ही शुभ ।
कभी ना होता अशुभ ।
सभी के प्रति होती सद्भावना ।
सभी में सदुण दिखते सदा ।
अवगुण कभी ना दिखते ।
चारों ओर अच्छे मनुष्य दिखते ।
क्षमा सबसे बड़ा धर्म ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

संविधान रो रहा है

मैं भारत का संविधान रोज
संसद में मर रहा हूँ
जो कहते हैं सियासी ठेकेदार मैं
वो कर रहा हूँ।
रोज होते हैं संसोधन उनके
मनमुताबिक मुझमें
मैं आए दिन भारत का
बदलता रुप धर रहा हूँ।।

बाबा साहेब ने जो दिलाए थे
तुमको अधिकार
एकएक करके वो तुम से
छीन रही है सरकार।
बाबा साहेब के मन की पीड़ा
समझ सको तो
मैं संविधान बोल रहा हूँ तुम
सुन लो मेरी पुकार।।
अंतर मन घायल हैं मेरा वजूद
संसद में खो रहा है
किसान खेतों में मर रहा और
नेता आराम से सो रहा है।
लिखित निर्मित संविधान
दिया बाबा साहेब ने वो
दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान
खून के आंसू रो रहा है।।

लग रहा भारत की शक्ति का
केंद्र बिन्दु ढह रहा है,
दुखी बहुत हूँ मैं, बस आपसे
यह वह कह रहा है।
लोकतंत्र का सबसे बड़ा
रखवाला भारतीय संविधान,
अधिकारों को जलाने पर वो
असीम दुःख सह रहा है।।

खतरे में ही आज वो है जिसमें
सुरक्षा का सार दिया है
ऊपर से हरा भरा जिसको
संसद में कबका मार दिया है।
बचा लो बाबा साहेब के सपूतों
मेरा अभिमान खो रहा है
बाबा साहेब का संविधान रो
रहा है,हां !संविधान रो रहा है।।

प्रीति गौतम
लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

आना जाना जारी रखो

आना जाना जारी रक्खो,
हंसी ठिठोली तारी रक्खो।
थोड़ी सी माहौल में मस्ती,
थोडा सा दिल भारी रक्खो।
कुछ लम्हे अपनो को दे दो,
फिर कुछ दुनियादारी रक्खो।
अगर सफ़र में जाना है तो,
फिर सामान न भारी रक्खो।
अपने साथी खुद बन जाओ,
तब लोगों से यारी रक्खो।
चांद जियादा रोशन हो पर,
जुगनू से भी यारी रक्खो।
झुकना भी पड़ता है लेकिन
झुकने में खुद्दारी रक्खो।
मुल्क बचाना होगा तुमको,
सीने में चिनगारी रक्खो।
नफ़रत से ना बात बनेगी,
प्यार मुहब्बत जारी रक्खो।

अभिलाषा सिंह,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

साथ मेरे (अंतस की पीर)

क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे
जीते जी मार दिया, इतना गहरा
घाव दिया,
कुटुंब को मेरे
खंजर से हृदय छलनी कर
दिया आज,
कर वंचित अंतिम दर्श
से,स्वजनों को मेरे
जिंदा लाश बना दिया दुष्टों,
आज करतार को मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था साथ मेरे
क्या खूब हिन्दुत्व की रस्म
निभाई एक अबला के साथ
कर माँजल रात में अंत्येष्टि, कर
लेने देते इंतजार भौर का,
नातेदारों को मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे
ऐसी कौनसी रही मजबूरी, पूछ
रही हूँ, ऐसा कौनसा
राज दफ़न कर रहे थे, साथ मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे
पूछ रही हूँ निकाले अंतिम यात्रा मेरी
क्या कांधे का भी हक था नहीं
पिता और भ्राता को मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे
जीते जी रौंद दिया मुझको, क्या
गति पाई शव ने मेरे
हाथ न लगा पाया कुटुंब मेरा,
अंतिम स्नान न करा सके,
अरे छोड़ो मुखाग्नि भी न दे
पाये पार्थिव देह को मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे
जिंदा मैंने कितनी भरी थी
चीखें, तुम क्या समझोगे
हृदय विहीन काया वालों,
जख्मों और दर्दों को मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे
पूछ रही हैं भारत माँ की बेटी,
क्या इतना भी हक़ था नहीं
दिन में जलने का, शव को मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे
क्या यह वही भारत भूमि है,
जहां नारी सम्मान का
नारा दिया जाता है
जहां पूजा होती है, हरदिन एक
नारी की
क्या यह एक विडंबना है, देश
में मेरे
जहां भोले को दर्जा है
अर्धनारीश्वर का,
जहां लक्ष्मी पूजे धन स्वरूपा,
सरस्वती पूजे ज्ञान स्वरूपा,
देश के हर घर और पाठशाला में मेरे
क्या यह एक छलावा है, देश में मेरे
पूछ रही हूँ क्या मैं भी एक नारी नहीं,
क्या मुझे बेटी कहलाने का भी
हक न रहा,
इस देश में मेरे
क्या यही होना बाक़ी रह गया
था, साथ मेरे।

नरेश नालिया [अध्यापक]
गाँवपावा, नागौर (राजस्थान)।
www.womenexpress.in

आत्महत्या नहीं मजबूरी

लिखती मैं किसान के लिए
लिखती मैं इंसान के लिए।
नहीं लिखती मैं धनवान के लिए
नहीं लिखती मैं भगवान के लिए।।
लिखती कहानी खेत खलिहान की
दिनभर मेहनत करते इंसान की
क्यों सोचा मरने को
क्यों खोया अपने को
हालातों से ना डरने वाले
परिस्थितियों से ना हारने वाले
समस्याओं से ना भागने वाले
हालातों के आगे ना झुकने वाले
मेरे देश की आनबानशान है
खेत में मेहनत करता किसान है।
ज़िन्दगी का मुकाबला करने वाले
तूने आत्महत्या की क्यों सोची?
पहले सोच अपने परिवार की
फ़िर सोच उनके जज्बातों की
सबके जीवन में है दुख
कोई नहीं पूरी तरह खुश।
फ़िर क्यों उठाता ग़लत कदम
यूँ ना मिटेगा तेरी हकीकत का ग़म।
हौंसलों को कर बुलंद
बदल दे अपनी तक़दीर
ज़िन्दगी को अपनी तू सँवार
ज़िन्दगी जीने का हुनर सीख
बना अपनी एक अनूठी पहचान
लिख मेहनत से नयी दास्तान।।
तुम हो जान देश की
क्षमता तुम में समाधान की
आत्महत्या नहीं कोई समाधान
आत्महत्या कर बना नहीं कोई महान
लड़ने का जज्बा है तुझमें
बहता जुनून है रक्त में।
उम्मीद जगा मन में
हार तो छिपी है बस डर में।।
बस यहीं कहना है ज़रूरी ।
आत्महत्या नहीं है मज़बूरी।।

सरला कुमारी
गुरुग्राम (हरियाणा)।
www.womenexpress.in

हे भगवान कृपा बरसाये रखना...

तुम चाहो तो मेरे जिंदगी के
बचे प्राण अभी ले लो।
मांगता हूँ तुझसे बाकी बचा मेरे,
जिंदगी की सकूँन मुझे दे दो।
भगवान है रब में मैंने भी जाना,
तेरी कुदरती हरकत भी माना।
तुम चाहो तो मेरे अच्छाई बुराई,
सुख दुःख खुशी ग़म भी ले लो।
गुजारिश है तुझसे सिर्फ़ इतना,
मेरे अंदर का इंसानियत मुझे दे दो।
सारे मंदिर की मूरत में रहो न रहो,
माँगा दर दर जाकर मन्नते मैंने,
मुराद पुरा करो न करो कसमे ले लो।
अर्जी इतना बस तुझसे मेरे,
अंतरात्मा को एक बार बस दरस दे दो।
मानता हूँ धरती आसमान की दूरी,
यकीनन पग पग में माप लेते हो।
सामर्थ नही इतना मुझमे कहाँ भगवन,
की तुम समान तीनो लोक नाप सकूँ।
करू तुमसे प्रार्थना बस इतना,
बस एक बार चरणों का धूल,
मुझे दे दो।
हर युग मे कृष्णा अवतार,
या राम का अवतार ले लो।
एक दास का विनती है प्रभु,
बस हर जन्म में मुझे साथ लेलो,
कभी सुदामा तो कभी भक्त
हनुमान का रूप मुझे दे दो।
तुम उस युग के वासी हो,
मैं इस कलियुग का वासी हूँ।
चाहो तो इस आज दौर की,
कलियुग को ही मुझसे ले लो।
क्षमा याचना विनती मेरा,
बदले में इतना है करना प्रभू,
सिर्फ़ धरती में स्वर्ग मुझे दे दो।
विज्ञान की चमत्कार आधुनिकता
की आकार को चाहो तो ले ले,
परन्तु मुझे अध्यात्म का
मार्ग मुझे दे दो।
मेरे ज्ञान विद्या मिला गुरु ज्ञान में,
चाहे तो भगवन मुझसे ले लो,
इतना तुम करना स्वामी जी,
विरासत में मिला संस्कार मुझे दे दो।

दिव्यानंद पटेल
विद्युत नगर दर्री
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

एक नजर

रुपया 23 पैसे गिरकर 74 प्रति डॉलर के नीचे

मुंबई । नरम घरेलू बाजार तथा मजबूत डॉलर के कारण बृहस्पतिवार को भी रुपये की गिरावट जारी रही। रुपया अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में 23 पैसे गिरकर 74.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 74.02 प्रति डॉलर पर कमजोर खुला। कुछ देर में यह 23 पैसे गिरकर 74.10 प्रति डॉलर पर आ गया। कारोबार के दौरान रुपया 73.94 प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर और 74.16 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर रहा। बुधवार को रुपया 16 पैसे लुढ़ककर एक महीने से अधिक समय के निचले स्तर 73.87 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। निवेश परामर्श कंपनी मिल्कवुड केन इंटरनेशनल के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी निश भट्ट ने कहा, ''रुपये में गिरावट जारी रही ।

24 घंटे में मिले 49881 नए मरीज, 517 की गई जान

देश में कोरोना के मामले 80 लाख के पार, कई राज्यों में फिर बढ़ना शुरू

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 80 लाख से ज्यादा केस आ चुके हैं। 24 घंटे में कोरोना के 49 हजार 881 नए मरीज मिले और इस दौरान 517 लोगों की जान गई। नए मामले आने के बाद कोरोना संक्रमितों की संख्या 80 लाख 40 हजार 203 हो गई है। संक्रमण से अब तक 1 लाख 20 हजार 527 मरीजों की मौत हो चुकी है। अब तक 73 लाख 15 हजार 989 लोग ठीक हो चुके हैं। एक्टिव केस अभी 6 लाख 3 हजार 687 हैं। वहीं, दिल्ली में पहली बार एक दिन में कोरोना संक्रमण के 5,673 केस मिले हैं। यहां पिछले कुछ दिनों से हर दिन करीब 4 हजार केस मिले रहे थे। देश के पांच राज्यों में कोरोना संक्रमण की दर केंद्र सरकार को टेंशन दे रही है। बुधवार को जो नए मामले सामने आए, उनमें से करीब

50 फीसदी केवल 5 राज्यों केरल, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली से थे। केंद्र ने कहा कि उसका फोकस उन राज्यों पर है जहां मामले बढ़ रहे हैं। उन 5 राज्यों के अलावा 5 राज्य और हैं जहां एक्टिव केसेज देश में सबसे ज्यादा हैं। इनमें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना का नाम शामिल है। महाराष्ट्र में बुधवार को कोरोना के 6378 नए मरीज मिले, 8430 लोग रिकवर हुए और 91 मरीजों की मौत हो गई। अब तक 16 लाख 60 हजार 406 लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 1 लाख 29 हजार 401 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है, जबकि 14 लाख 86 हजार 926 लोग ठीक हो चुके हैं।

संक्रमण के चलते अब तक 43 हजार 554 मरीजों की मौत हो चुकी है। दिल्ली में बुधवार को कोरोना के नए मामलों का सारा रिकॉर्ड टूट गया। पिछले 24 घंटों में यहां 5673 नए मामले सामने आए, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या 3,70,014 हो गई। इसके साथ ही राजधानी में पॉजिटिविटी रेट भी 9।37 त्न हो गई है। यहां रिकवरी रेट 90।33त्न है, जबकि एक्टिव मरीज़ों की दर 7।93त्न और मृत्यु दर 1।73त्न है। बिहार में बुधवार को 780 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। 1073 लोग रिकवर हुए और 4 मरीजों की मौत हो गई। अब तक 2 लाख 14 हजार 163 लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 2 लाख 4 हजार 317 लोग ठीक हो चुके हैं। संक्रमण के चलते अब तक 1069 लोगों की मौत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में बुधवार को 1980 नए मरीज मिले 2742 लोग ठीक हुए और 18 मरीजों की मौत हो गई। अब तक 4 लाख 76 हजार 34 लोग संक्रमित पाए जा चुके हैं। इनमें 25 हजार 487 मरीजों का इलाज चल रहा है, जबकि 4 लाख 43 हजार 589 लोग ठीक हो चुके हैं। कोरोना ने अब तक राज्य में 6958 लोगों की जान ले ली। दुनिया में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 4।45 करोड़ हो गया है।

25 करोड़ रुपए में खरीदी जा सकती है पूरी गुजरात कांग्रेसः विजय रुपाणी

(विशेष संवाददाता)

गांधीनगर । पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा है कि मौजूदा कांग्रेस पार्टी में महात्मा गांधी का कोई आदर्श नहीं है। इस दौरान उन्होंने यहां तक कहा कि गुजरात में पूरी कांग्रेस पार्टी को 25 करोड़ रुपए में खरीदा जा सकता है। सुरेंद्रनगर के पास लिंम्बदी रैली में वह कांग्रेस की ओर से लगाए गए उन आरोपों का जवाब दे रहे थे, जिनमें बीजेपी पर चुनाव में अनैतिक गतिविधि अपनाने की बात कही गई थी।

विधानसभा उपचुनाव में बुधवार को रुपाणी ने कहा, आज कांग्रेस पार्टी महात्मा गांधी के गुणों से दूर है। आज की कांग्रेस महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं है। आज की कांग्रेस केवल राहुल गांधी की है। कारजान के पूर्व कांग्रेस विधायक को 25 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के कांग्रेस के आरोप पर रुपाणी ने कहा, कांग्रेस अपने विधायकों का ही सम्मान नहीं करती है और जब वे पार्टी छोड़ देते हैं तो इस तरह के आरोप लगाए जाते हैं। पूरी गुजरात कांग्रेस 25 करोड़ रुपए में खरीदी जा सकती है।

कांग्रेस पर जोरदार हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोरोना वायरस संक्रमण को नियंत्रण करने की बात आती है तो महाराष्ट्र में पार्टी की सरकार भगवान भरोसे है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में कोविड19 के इलाज के लिए अस्पतालों में बिस्तर का प्रबंध नहीं है और जान गंवाने वाले मरीजों का शव फूटपाथ पर पड़ा रहता है। गौरतलब है कि महराष्ट्र में कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन की सरकार है।

डेटा सिक्योरिटी बिल पर संसदीय समिति ने जियो, एयरटेल, उबर, ओला को किया तलब

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । संसद की संयुक्त समिति ने आंकड़ों (जानकारी) की सुरक्षा मुद्दे पर बुधवार को नोटिस जारी कर दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो और भारती एयरटेल तथा ऑनलाइन वाहन बुकिंग सेवा देने वाली ओला और उबर के प्रतिनिधियों को तलब किया। भाजपा सांसद मीनाक्षी लेखी की अध्यक्षता वाली समिति निजी आंकड़ा सुरक्षा विधेयक 2019 पर विचार कर रही है। नोटिस के अनुसार रिलायंस जियो इन्फोकॉम और जियो प्लेटफार्म्स के प्रतिनिधियों को समिति के समक्ष बयान देने को लेकर चार नवंबर को दो अलगअलग बैठकों में उपस्थित होने को कहा गया है। वहीं ओला और उबर के प्रतिनिधियों को समिति के समक्ष अगले दिन यानी पांच नवंबर को उपस्थित होने को कहा गया है।

एयरटेल और ट्रूकॉलर के

प्रतिनिधियों को समिति के समक्ष अलग से छह नवंबर को उपस्थित होने को कहा गया है।

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक और ट्विटर और ईवाणिज्य कंपनी अमेजन के प्रतिनिधि पहले ही संसद की समिति के समक्ष अपनी बात रख चुके हैं। गूगल और पेटीएम समिति के समक्ष 29 अक्टूबर को उपस्थित होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने 11 दिसंबर, 2019 को निजी आंकड़ा संरक्षण विधेयक लोकसभा में पेश किया था।

विधेयक में लोगों से जुड़ी उनकी निजी जानकारी के संरक्षण और आंकड़ा संरक्षण प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव किया गया है। विधेयक को बाद में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त प्रवर समिति को भेज दिया गया। प्रस्तावित कानून किसी व्यक्ति की सहमति के बिना संस्थाओं द्वारा व्यक्तिगत आंकड़ों के भंडारण और उपयोग पर रोक लगाता है।

मास्क नहीं पहनने और जुर्माना नहीं भरने पर सड़कों पर लगाना पड़ सकता है झाड़ू

मुंबई। मुंबई में अगर आप मास्क नहीं लगाते हैं और जुर्माना भर पाने की स्थिति में नहीं हैं तो सामुदायिक सेवा के तहत आपको सड़कों पर झाड़ू लगाना पड़ सकता है। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) सार्वजनिक स्थलों पर मास्क नहीं पहनने वालों पर 200 रुपये का जुर्माना करती है और अगर कोई जुर्माना नहीं भरना चाहता है तो उसे सामुदायिक सेवा के तहत सड़कों पर झाड़ू लगाना होगा।

कोरोना वायरस महामारी के कारण अधिकारियों ने संक्रमण फैलने से रोकने के लिए मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया है। के वेस्ट निकाय वार्ड ने मास्क पहने बिना घूमने वाले कई लोगों से एक घंटे तक झाड़ू लगवाई। इस वार्ड में अंधेरी पश्चिम, जुहू और वर्सोवा आते हैं। सहायक निगम आयुक्त (केवेस्ट वार्ड) विश्वास मोटे ने बृहस्पतिवार को बताया कि पिछले सात दिनों में मास्क नहीं पहनने और अधिकारियों से अनावश्यक बहस करने या जुर्माना भरने से मना करने वाले लोगों से हमने सामुदायिक सेवा के तहत झाड़ू लगवाया है। मोटे ने कहा, केवेस्ट वार्ड में अभी तक हमने 35 लोगों से सामुदायिक सेवा करवाई है। अधिकारियों के मुताबिक, बीएमसी के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन उप नियमों के तहत यह सजा दी जा रही है। इस नियम के तहत नगर निकाय सड़कों पर थूकने वाले लोगों से विभिन्न सामुदायिक सेवा करने के लिए कह सकता है। नगर निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि शुरू में अधिकतर लोग सड़कों पर झाड़ू लगाने जैसी सामुदायिक सेवा नहीं करना चाहते लेकिन जब उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई की चेतावनी दी जाती है तो वे ऐसा करते हैं।

कुछ कर दिखाने में विश्वास करता है जामियाः कुलपति

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । जामिया मिल्लिया इस्लामिया का शताब्दी स्थापना दिवस समारोह गुरुवार को मनाया गया। विश्वविद्यालय के डॉ. एमए अंसारी ऑडिटोरियम फोरकोर्ट में आयोजित समारोह में जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने कहा कि जामिया एक अनूठी संस्था है। यह कर दिखाने के फलसफे में विश्वास करता है। यही कारण है कि यह राष्ट्र और समुदाय द्वारा निर्धारित नवीनतम शैक्षिक उद्देश्यों और आदर्शों को पाने में बड़ी उड़ान भरता जा रहा है। समारोह के प्रारंभ में जामिया के एनसीसी कैडेटों ने कुलपति प्रो. नजमा अख्तर और समारोह के मुख्य अतिथि, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के चांसलर और सीईओ हमदर्द लेबोरेट्रीज को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। दोनों ने जामिया का झंडा फहराया। कुलपति ने कहा कि जामिया ने हमेशा

अपनी मौजूदा क्षमता और संसाधनों के अनुरूप सर्वोत्तम काम किया है। इसके समर्पित शिक्षकों और गैरशिक्षण कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय की गुणवत्ता लगातार बढ़ाने में हर मुमकिन कोशिश की है। अपनी स्थापना के समय से ही विश्वविद्यालय ने सहशिक्षा और स्वस्थ संस्कृति के विकास के विचार को अपनाया है। जामिया एक ऐसे समाज के बारे में सोचना पसंद करता है जहां महिलाओं को किसी भी तरह के भेदभाव के बिना, उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके हितों को साधने के सभी अवसर मिलें।

विश्वविद्यालय की अकादमिक और अनुसंधान उपलब्धियों के बारे में उन्होंने कहा कि यूजीसी ने विश्वविद्यालय को विदेशी भाषाओं, अस्पताल प्रबंधन और हास्पिस स्टडीज, डिजाइन और नवाचार तथा पर्यावरण विज्ञान जैसे नए उभरते क्षेत्रों में चार विभाग खोलने की अनुमति दी है।

अशोक धारणिया को पीएचडी की उपाधि

बीकानेर। संभाग मुख्यालय के युवा व्यवसायी अशोक धारणिया को टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। अशोक धारणिया ने जाम्भोजी की वाणी में जनकल्याण का विवेचनात्मक अध्ययन विषय पर प्रोफेसर डॉ. पूजा धमीजा के निर्देशन में शोध कार्य किया। शोध कार्य में धारणिया ने जाम्भोजी की वाणी का भक्तिकालीन अन्य संतो की वाणी से तुलनात्मक विवेचन एवं लोक व्यवहार में आडंबर, दिखावा, अतिमानवीय स्वार्थ तत्व के सन्दर्भ में जाम्भोजी की वाणी में समाधान का विलेषणात्मक विवेचन किया है।

भावी राज्य सभा सदस्य नरेश बंसल को उनके विभाग के अधिकारियों ने दी शुभकामनाये

देहरादून 28 अक्टूबर । बीस सूत्रीय कार्यक्रम एवं क्रियान्वयन के उपाध्यक्ष (कैबिनेट दर्जा प्राप्त मंत्री) नरेश बंसल को उत्तराखंड से राज्यसभा सदस्य हेतु नामित होने पर अर्थ एवं संख्या विभाग के निदेशक सुशील कुमार 20 सूत्रीय कार्यक्रम की उपनिदेशक गीतांजली शर्मा गोयल व शोध अधिकारी जे सी चंदोला आदि ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर अपनी शुभकामनाएं दी ।

इस अवसर पर बंसल ने उन्हें आश्वस्त किया कि जैसे मैं आपके साथ आज खड़ा हूं ठीक ऐसे ही मैं आगे भी आपके साथ रहूंगा , यदि आपको कभी भी कोई समस्या हो तो आप निःसंकोच मुझसे संपर्क कर सकते हैं, चाहे मैं कहीं भी रहूं , मैं आप लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहूंगा ।

आईवीएफ वूमेन विंग का कुकिंग कम्पीटिशन आयोजित

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

बेंगलुरु। इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन (आईवीएफ) की महिला विंग की ओर से दिवाली स्पेशल कुकिंग कंपटीशन का आयोजन यहां किया गया। आईवीएफ के स्टेट प्रेसिडेंट बिपिन राम अग्रवाल की प्रेरणा से महिलाओं के प्रोत्साहन स्वरूप रचनात्मक गतिविधि के तहत यह आयोजन हुआ।

कार्यक्रम की समन्वयक रितु अग्रवाल रही। आईवीएफ की सेक्रेटरी ऑर्गेनाइजेशन रितु अग्रवाल के मुताबिक 6 दिवसीय इस ऑनलाइन रेसिपी कंपीटीशन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। टेक्निकल सहयोगी अंकिता अग्रवाल के संयोजन में ऑनलाइन वोटिंग के माध्यम से विजेताओं का चयन किया गया।

रितु अग्रवाल ने बताया कि आईवीएफ से जुड़ी महिलाओं ने इस प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर भाग लिया। करीब 1948 लोगों ने प्रतिभागियों को वोट किए। रितु ने बताया कि प्रथम

पुरस्कार आँचल अग्रवाल ने जीता, जबकि द्वितीय पुरस्कार दिवीशा अग्रवाल व तृतीय पुरस्कार माया अग्रवाल ने प्राप्त किया।

जूनियर शेफ़ के रूप में सुश्री निशा को पुरस्कृत किया गया। आईवीएफ के सेक्रेटरी संजीव बंशल ने आयोजन के प्रायोजक सहयोगियों क्रमशः शालिनी, एकता व अंशु जैन तथा तरुणा सोलंकी का आभार व्यक्त किया।

यूपी ने सैनिटाइजर का उत्पादन कर रचा इतिहास

कोरोना को हराने में पूरे देश की मदद करेगा यूपी

लखनऊ/दिल्ली, 29 अक्टूबर । उत्तर प्रदेश ने 1,76,66,000 लीटर सैनिटाइजर का उत्पादन कर रचा इतिहास रचा है। प्रदेश में कुल उत्पादन क्षमता 6,00,000 लीटर से अधिक है। प्रदेश की सभी इकाइयों ने 1,60,07,600 पैकिंग की मार्केट में आपूर्ति की जा चुकी है। अभी वर्तमान में कुल 51,88,260 पैकिंग बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

कोरोना आपदा से निपटने के प्रयास में वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सैनिटाइजर का उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने कई कंपनियों को सैनिटाइजर बनाने का लाइसेंस दिया है। आम जनता को सस्ता और गुणवत्तापूर्ण सैनिटाइजर उपलब्ध हो सके इस ओर सरकार प्रयासरत है।

उत्तर प्रदेश में चीनी मिलें, डिस्टिलरी, सैनिटाइजर बनाने वाली कंपनियां और अन्य संस्थाएं सैनिटाइजर का उत्पादन कर रही हैं। ऐसे में कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए जम्मूकश्मीर, पंजाब, उत्तराखंड, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली,

राजस्थान, गुजरात, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में उत्तर प्रदेश का बना सैनिटाइजर भेजा जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों, नगर निगम कर्मियों, पुलिस एवं जिला प्रशासन को निशुल्क सैनिटाइजर की आपूर्ति भी की जा रही है।

यूपीडा की बैठक में गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना की समीक्षा

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 29 अक्टूबर। यूपीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में 61वीं बोर्ड बैठक यूपीडा कार्यालय में सम्पन्न हुई। इस बैठक में निदेशक मण्डल के सदस्य तथा यूपीडा के अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में कई अहम बिन्दुओं पर चर्चा कर निर्णय लिए गए ।

गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के सिविल निर्माण कार्यों की लागत 22 ,145 करोड़ अनुमोदित है। सिविल निर्माण कार्य हेतु वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था किये जाने हेतु प्रथम विकल्प के रूप में पी. पी.पी. मॉडल हेतु संभावित निवेशको की अभिरूचि परखने के लिए प्रयास किया जाना प्रस्तावित है।

निवेशको से अभिरुचि प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में प्रचलित अभिलेखों के आधार पर ड्राफ्ट रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई) तैयार किया गया है जिस पर निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना की कुल लागत रु0 36.410 करोड़ है जिसमें भूमि अधिग्रहण की लागत रु0 9,255 करोड आंकलित की गयी है

परियोजना से जनपद मेरठ, हापुड, बुलन्दशहर, अमरोहा, सम्भल, बदायू, शाहजहांपुर.. हरदोई, उन्नाव रायबरेली, प्रतापगढ़ एवं प्रयागराज लाभान्वित होंगे परियोजना हेतु लगभग 7800 हे0 भूमि की आवश्यकता होगी डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना के अंतर्गत जनपदअलीगढ़ में 12 एवं जनपदकानपुर नगर 01 औद्योगिक इकाईयों को भूखण्ड आवंटित किया जा चुका है एवं शेष इकाईयों को भूखण्ड आवंटन की प्रक्रिया गतिमान है। अतः उक्त के दृष्टिगत जब तक परियोजना की भूमि में यूपीडा का कार्यालय/ सामुदायिक भवन निर्मित न हो तब तक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के उपयोगार्थ कार्यालय हेतु किराये पर एक भवन लिया जाना है। इसी क्रम में जनपद अलीगढ़ में एक भवन किराये पर ले लिया गया है। जिसका अनुमोदन बोर्ड द्वारा प्राप्त कर लिया गया है। आगरालखनऊ एक्सप्रेसवे पर टोल की वसूली हेतु, 02 मुख्य टोल प्लाजा एवं 15 रैम्प प्लाजा स्थापित किये गये हैं।

इन टोल प्लाजाओं के संचालन, टोल कलेक्शन तथा 5 एम्बुलेन्स व 10 पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराये जाने हेतु नवीन एजेन्सी के चयन के लिये ईटेण्डर पोर्टल के माध्यम से मे0 सहकार ग्लोबल लि0 के चयन को निदेशक मण्डल द्वारा मंजूरी प्रदान की गयी।

सर्दी के साथ त्योहारी सीजन को भुनाने में जुटे कारोबारी

सज गया गर्म कपड़ों से लेकर करवा चैथ व दीवाली का बाजार

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। सर्दी की आहट के बीच मौसम के बदलते ही लोगों की दिनचर्या में बदलाव आना शुरू हो गया है। बाजारों में जहां गजक, रेवड़ी और मूंगफली की दुकानों के साथ ही ऊनी व गर्म कपड़े भी नजर आने लगे हैं। ऊनी व गर्म कपड़ों की दुकानें सज गई हैं। लोग सर्दी से बचाव के लिए अभी से गर्म कपड़े खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं। तो दुसरी तरफ करवा चैथ व दीवाली का भी बाजार सजधज कर तैयार है। बता दें, दशहरे के बाद अब भारत के सबसे बड़े त्योहार दिवाली में केवल 18 दिन ही बचे हैं। इसके चलते बाज़ारों में अभी से दिवाली की बिक्री शुरू हो हो गयी है। इसे लेकर व्यापारी वर्ग ख़ासा उत्साहित है।

कोरोना काल में यह त्योहार इस बार बेहद विषम परिस्थितियों में मनाया जाएगा। लेकिन फिर भी व्यापारियों को उम्मीद है की कोरोना महामारी के कारण बर्बाद हुए व्यापार में थोड़ी जान आएगी। बीते आठ महीनों में कुछ और न खरीदने वाले उपभोक्ता बढ़ी संख्या में इस बार दिवाली की खरीददारी के लिए बाज़ारों में आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल पर वोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान भी खासा

असर डाल रहा है। वहीं देश ने इस बार चीनी सामानों के पूर्ण बहिष्कार का मन भी बना लिया है। इसका भी फायदा कारोबार को मिलेगा।

गौरतलब है कि अब हर दिवाली को हिन्दुस्तानी दिवाली के रूप में मनाने और चीनी वस्तुओं के पूर्ण बहिष्कार के चलते व्यापारियों ने बाज़ार को भारतीय सामानों से सजाया है। इन सामानों में भारत में बनी लाइट तथा दिवाली से जुड़े सभी सामान जैसे दिये, मोमबत्ती, बिजली की लड़ियां, बिजली के रंग बिरंगे बल्ब, वंदनवार, घरो को सजाने के दूसरे सामान, रंगोली, शुभ लाभ के चिन्ह, पूजन सामग्री इत्यादि शामिल हैं। शहर के सड़कों पर गर्म कपड़ों और कम्बलों का बाजार सजा हुआ है। कई जगहों कतारों में गर्म कपड़ों की दुकाने सजी हुई है। दुकानों और शो रूमों में भी ऊनी व गर्म कपड़ों से भरने लगे हैं। ठंड की आहट से अच्छी बिक्री का अनुमान लगाया जा रहा है। बनारस में शहर के अलावा आसपास के गांवों के लोग भी खरीदारी के लिए आते हैं। बाजार में जींस जैकट, ऊनी शर्ट, स्वेटर, मफलर गर्म टोपियां सहित विभिन्न गर्म कपड़ों व रजाई, खेस, कंबल आदि की अच्छी मांग है।

लोगों के खानपान में भी बदलाव आ गया है। अब लोग ठंडी तासीर के पदार्थ लस्सी, आइसक्रीम, केले की जगह अब गर्म तासीर के पदार्थ पसंद करने लगे है। सर्दी के बढने के साथ ही बाजार में मूंगफली, गुड़, खजूर, मुन्नक्का, पिस्ता, बादाम, अखरोट गजक, तिल पट्टी, रेवड़ी, ध्यवनप्रास, केसर आदि की बिक्री बढ़ रही है। इसके चलते दुकानदारों ने भी ठंडी तासीर की जगह गर्म तासीर के पदार्थ बेचना शुरू कर दिया है।

इसके अलावा उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए बाज़ारों में लाइटिंग व साफ सफाई की विशेष व्यवस्था की गयी है। वर्तमान में अब भी आम लोग कोरोना के कारण भयभीत हैं और कहीं भी बाहर निकलने में कतरा रहे हैं, ऐसे में उपभोक्ताओं को यह विश्वास दिलाना जरूरी है ।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय

नैनी स्टेशन के सामने

प्रभारीः

सुजीत चौरसिया

Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974

टेली– 09013 518 518

www.womenexpress.in

thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नया कानून लागू

एक नजर

मध्य प्रदेश में एक किसान रातों-रात हुआ मालामाल

भोपाल । हीरों की नगरी पन्ना और वहां की रत्नगर्भा धरती कब किसकी किस्मत बदल दे, कहा नहीं जा सकता। यहां कब कौन रातोंरात लखपति या करोड़पति बन जाए, कोई नहीं जानता। कोरोना संकट के चलते भले ही आम आदमी की जेब पर असर पड़ा हो और आमदनी का स्रोत खत्म हो गया हो, लेकिन मध्य प्रदेश के पन्ना में एक गरीब किसान रातोंरात लखपति बन गया है। जानकारी के मुताबिक, मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के ग्राम बिलखुरा निवासी बलवीर सिंह को कृष्णा कल्याणपुर हीरा खदान क्षेत्र में 7 कैरेट 2 सेंट का जेम्स क्वालिटी का हीरा मिला है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 3540 लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। ऐसे में यह गरीब किसान रातोंरात अमीर बन गया है। जो हीरा मिला है वह उच्च क्वालिटी का है और अच्छे दामों में हाथोंहाथ बिक जाएगा। हीरा मिलने के बाद किसान की खुशी का ठिकाना नहीं है। डायमंड कार्यालय पन्ना के हीरा पारखी अनुपम सिंह का कहना है कि किसान ने पन्ना के डायमंड कार्यालय में हीरा जमा करा दिया गया है। उज्जवल क्वालिटी का हीरा है और आने वाली नीलामी में इस हीरे को रखा जाएगा। सरकार की रॉयल्टी काटकर शेष राशि हीरा जमाकर्ता को दे दी जाएगी।

बिन फेरे हम तेरे का बढ़ा क्रेज, रांची में लॉकडाउन में हुए 460 कोर्ट मैरिज

रांची । हिंदू धर्म की रीति व परंपरा के मुताबिक सात फेरे लिए बिना शादी पूर्ण नहीं मानी जाती है। प्रत्येक फेरे के साथ परस्पर सम्मान व स्नेह का वचन दिया जाता है। एक जन्म तो क्या सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें खाई जाती हैं। ये प्रचलन अब पीछे छूट रहा है। बदले समय में युवाओं को झट मंगनी, पट विवाह पसंद है। तामझाम और आडंबर से दूर कोर्ट मैरेज का प्रचलन बढ़ा है। 90 के दशक में जहां कोर्ट मैरेज को समाज अच्छी नजरों से नहीं देखता था, अब रांची में ही प्रतिमाह सौ से ज्यादा जोड़े बिन फेरे कोर्ट मैरेज कर एक दूजे के हो रहे हैं। कोरोना संक्रमण का दौर शुरू होने पर मार्च से जून 2020 तक कचहरी चौक स्थित मुख्य निबंधन कार्यालय में कोर्ट मैरेज बंद कर दिया गया था। करीब चार माह बाद दोबारा कोर्ट मैरेज आरंभ हुआ तो मैरेज के लिए आवेदन के बाढ़ आ गए। जुलाई से अक्टूबर तक 460 जोड़े कोर्ट मैरेज कर एक दूजे के हुए। कोर्ट मैरेज का क्रेज बढने के पीछे समाजिक बंधन भी प्रमुख वजह है। अमूमन परिवार व समाज जाति, धर्म के इतर शादी की इजाजत नहीं देता है। कह सकते हैं दूसरी जाति व धर्म में शादी करने के लिए बड़े पापड़ बेलने पड़ते हैं। फिर भी समाज इस शादी को स्वीकार करेगा की नहीं, इस पर शंका बनी रहती है।

राउरकेला अर्बन बैंक में फर्जी एकाउंट से 68 करोड़ का कारोबार

राउरकेला । जीएसटी के फर्जीवाड़ा में केवल ठेका श्रमिक यामिनीकांत नायक ही नहीं फंसाए गए हैं बल्कि इसमें शामिल गिरोह के सदस्यों ने बस्ती क्षेत्र की महिलाओं व वाहन चालकों को भी उलझा दिया है। बस्ती की महिला सुकांति नायक के एकाउंट से 39 करोड़ का लेनदेन हुआ है वहीं एक वाहन चालक 29 करोड़ का कारोबार होने का खुलासा हुआ है। दोनों के नाम पर कुल 68 करोड़ का लेनदेन हुआ है एवं दोनों के फर्जी एकाउंट राउरकेला अर्बन कोआपरेटिव बैंक में ही खोले गए हैं। कारोबारियों के साथ ही बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों का हाथ होने की आशंका जतायी जा रही है। सेक्टर1 के काली मंदिर बस्ती में रहने वाली सुकांति पात्र के नाम पर जीएसटी नंबर 96721 जेड एस खोला गया। केवल इतना ही नहीं इसमें जुड़े लोगों के द्वारा सुकांति की जानकारी के बना राउरकेला अर्बन को आपरेटिव बैंक के मिड टाउन में करंट एकाउंट खोला। दो साल में सुकांति के नाम पर यहां दो साल के भीतर 39.50 करोड़ का लेनदेन हुआ। सुकांति के खाते के जरिए यहां गिरोह के द्वारा 14.40 करोड़ का इंनकम टैक्स रिटर्न, आइटीसी प्राप्त किया। जनवरी महीने में अमित बेरीवाल व सुभाष स्वाई की गिरफ्तारी के बाद सुकांति पात्र का नाम चर्चा में आया था।

पाकिस्तानी संसद के कबूलनामे पर भाजपा गदगद, राहुल गांधी पर बोला अटैक

पाकिस्तान के पूर्व स्पीकर के खुलासे पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने नकारात्मक राजनीति के परिचायक और हमेशा देश को बदनाम करने में आगे रहने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। साथ ही बालाकोट एयर स्ट्राइक के बाद विंग कमांडर अभिनंदन की रिहाई को लेकर पूर्व पाकिस्तानी विदेश मंत्री और पाकिस्तान असेंबली के पूर्व स्पीकर के खुलासे पर कांग्रेस पार्टी को कठघरे में खड़ा किया।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस अपने ही सशस्त्र बलों को कमजोर करने की मुहिम में सदैव लगी रही। कभी वह हमारे सशस्त्र बलों का मजाक उड़ाती रही तो कभी उनकी वीरता पर संदेह करती रही। कांग्रेस और उसकी यूपीए सरकार ने हर प्रकार की चालबाजी की ताकि सेना को अत्याधुनिक राफेल न मिल सके लेकिन देशवासियों ने ऐसी निकृष्ट राजनीति को नकार कर कांग्रेस को कड़ा सबक सिखाया है। उन्होंने पाकिस्तान के संसद में कबूलनामे के वीडियो को शेयर करते हुए कहा कि कांग्रेस के शहजादे को भारत की किसी भी चीज पर विश्वास नहीं है, चाहे वह सेना हो, सरकार हो या हमारे लोग हों। यदि उन्हें अपने देश पर विश्वास नहीं है तो वे अपने सबसे भरोसेमंद देश' पाकिस्तान की ही सुन लें। उम्मीद है कि अब तो उनकी आंखें खुलेंगी। बता दें कि पाकिस्तान

की संसद में उसके पूर्व विदेश मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा कि भारत के खौफ के कारण पिछले साल विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की रिहाई हुई थी। साथ ही पाकिस्तान असेंबली के पूर्व स्पीकर अयाज सादिक ने कहा, मुझे बखूबी याद है कि एमएम कुरैशी उस बैठक में थे, जिसमें पीएम इमरान खान ने भाग लेने से इनकार कर दिया था। कुरैशी के पैर कांप रहे थे, उन्हें पसीना आ रहा था। इस बैठक में विदेश मंत्री कुरैशी ने कहा था कि अल्लाह के वास्ते इसको वापस जाने दो, क्योंकि रात 9 बजे हिंदुस्तान, पाकिस्तान पर हमला कर देगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि राहुल गाँधी, कांग्रेस पार्टी और उसके नेता देश में चीन और पाकिस्तान के एजेंडे को आगे बढ़ाने में दिनरात लगे हुए हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं जब कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं ने पाकिस्तान और चीन की तारीफके कसीदे पढ़े और हिंदुस्तान को बदनाम करते हुए देश के वीर जवानों के मनोबल को गिराने का काम किया। उन्होंने कहा कि जब पुलवामा एयर स्ट्राइक हुआ था तो कांग्रेस और उसके तमाम नेताओं ने इस पर सवाल उठाये थे। इतना ही नहीं कांग्रेस के कई नेताओं ने तो विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान के पाकिस्तान में पकड़े जाने पर सवाल उठाये थे और भारत के दबाव में उन्हें छोड़े जाने पर पाकिस्तान की तारीफ की थी लेकिन आज के खुलासे से स्पष्ट हो गया है कि भारत के बालाकोट में एयर स्ट्राइक की विभीषिका और संभावित हमले से होने वाले नुकसान के डर से पाकिस्तान बुरी तरह घबराया हुआ था और उसे तत्काल विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को छोडना पड़ा।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गाँधी और कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम समझ से परे है। ये सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि जो कांग्रेस कहती है वहीं पाकिस्तान बोलने लगती है। धारा 370 के खात्मे पर राहुल गाँधी ने कश्मीर में कत्लेआम की बात की तो पाकिस्तान ने इस बयान को हाथों हाथ लिया। यहाँ तक कि इस बयान का उपयोग पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के खिलाफ डोजियर में भी किया। भारत ने बालाकोट एयर स्ट्राइक किया तो राहुल गाँधी, नवजोत सिंह सिद्धू, सैम पित्रोदा, दिग्विजय सिंह जैसे कई कांग्रेस नेताओं ने इसपर सवाल खड़े किये और कहा कि पुलवामा हमले में भारत का हाथ नहीं है तो पाकिस्तान ने उस वक्त कहा कि पुलवामा हमला भारत ने खुद कराया है।

आगे के चुनावों में सपा उम्मीदवारों को हराने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे: मायावती

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर । बसपा अध्यक्ष मायावती ने अपने कुछ विधायकों के पाला बदलने की अटकलों के बीच बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधा और कहा कि भविष्य में विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव में सपा के उम्मीदवारों को हराने के लिए उनकी पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी तथा जरूरत पड़ी तो भाजपा या किसी अन्य पार्टी के प्रत्याशी को समर्थन देगी। एक बयान में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि आगामी विधान परिषद चुनाव में सपा के दूसरे उम्मीदवार को हराने के लिए बसपा पूरी ताकत लगाएगी। उन्होंने गेस्टहाउस कांड का उल्लेख करते हुए कहा, ''सपा के लोगों की इस गुंडागर्दी से इनकी सरकार चली गई थी और बसपा की सरकार बनी थी। लेकिन इस घटना को भुलाकर हमारी पार्टी ने संकीर्ण ताकतों को कमजोर करने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव में सपा के साथ तालमेल किया।'' मायावती ने कहा, ''लोकसभा चुनाव के बाद मेरी ओर

से कई बार संपर्क करने बावजूद उनकी (अखिलेश) तरफ से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद हमें अलग होकर चलने का फैसला करना पड़ा।'' उन्होंने दावा किया, ''राज्यसभा चुनाव के दौरान इनका दलित विरोधी चेहरा दिखा। अब सपा हमारे ऊपर भाजपा के साथ साठगांठ करके चुनाव लड़ने का आरोप लगा रही है, जबकि इसमें कोई सच्चाई नहीं है।'' बसपा प्रमुख ने कहा, ''हमारी पार्टी यह ऐलान करना चाहती है कि आगे जब विधान परिषद के चुनाव होंगे तब फिर बसपा कल की घटना का जैसे को तैसा की तरह जवाब देते हुए सपा के दूसरे उम्मीदवार को हराने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएगी। इसके लिए चाहे भाजपा व अन्य किसी भी विरोधी पार्टी को अपना वोट क्यों न देना पड़े।'' गौरतलब है कि मायावती ने सपा पर यह हमला उस वक्त बोला है, जब बुधवार को बसपा के छह विधायकों के सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की खबर आई। इसके साथ ही इनमें से चार विधायकों ने हलफनामा दायर कर कहा कि बसपा के राज्यसभा उम्मीदवार रामजी गौतम की उम्मीदवारी के प्रस्तावक के तौर पर उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए।

मुंगेर में मूर्ति विजर्सन के बाद बवाल के खिलाफ फिर सड़क पर उतरे लोग

मुंगेर । मुंगेर में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई गोलीबारी और श्रद्धालुओं पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के मामले ने गुरुवार को तूल पकड़ लिया। युवाओं ने जमकर बवाल किया और पुलिस जीप फूंक डाली। ये नारेबाजी करते हुए एसपी कार्यालय तक पहुंच गए। भारी संख्या में पुलिस के पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों पर नियंत्रण पाया जा सका। इस बीच चुनाव आयोग ने मुंगेर के जिलाधिकारी व आरक्षी अधीक्षक को हटाने का आदेश जारी कर दिया है। बताया जा रहा है कि नए जिलाधिकारी व आरक्षी अधीक्षक की पोस्टिंग आज ही कर दी जाएगी। सुबह सैकड़ों युवा सड़कों पर उतर गए और नारेबाजी करते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक जा पहुंचे। इन्होंने एसपी कार्यालय परिसर में लगे एक वाहन के शीशे तोड़ डाले। पुलिस कार्यालय के आगे लगे बोर्ड को भी उखाड़ फेंका। टोली शहर में प्रदर्शन करते हुए पूरबसराय ओपी पहुंची। युवाओं ने पूरबसराय ओपी के सामने खड़ी पुलिस वाहन को आग के हवाले कर दिया।

लेह को चीन बताने पर भारत की सख्ती के बाद ट्विटर ने मांगी माफी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । ट्विटर पर लाइव ब्रॉडकास्ट के दौरान लेह को चीन का हिस्सा बताने पर माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ने डेटा प्रॉटेक्शन बिल की समीक्षा के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति के सामने मौखिक तौर पर माफी मांगी है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है। पैनल ने इस पर नाराजगी जाहिर की और ट्विटर से लिखित में माफी मांगने के साथ ही एफिडेविट जमा करने को कहा है। यह विवाद पिछले सप्ताह उस समय पैदा हुआ जब एक पत्रकार ने लेह स्थित वॉर मेमोरियल से ट्विटर पर लाइव ब्रॉडकास्ट किया और उन्होंने पाया कि लोकशन रिपब्लिक ऑफ चाइना दिखाया जा रहा है। इसको लेकर मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रोनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नॉलजी के सचिव ने ट्विटर के सीईओ जैक डोर्जी को लेटर लिखकर सरकार की ओर से नाराजगी जाहिर की थी। जेपीसी ने बुधवार को ट्विटर के प्रतिनिधियों के सामने लेह को चीन का हिस्सा दिखाने पर आलोचना की और कहा कि यह देशद्रोह जैसा काम

है। इसने डेटा सुरक्षा के साथसाथ कानूनी मुद्दों को भी उठाया। कमिटी ने पॉलिसी, डेटा ट्रांसफर और लोकेशन डेटा सेंटर को लेकर जवाबदेही और पारदर्शिता में कमी, शैडो बैन और अकाउंट्स को मनमाने तरीके से बंद करने की घटनाओं का मुद्दा भी उठाया। कमिटी की प्रमुख मीनाक्षी लेखी ने हिन्दुस्तान टाइम्स से कहा, लेह को चीन का हिस्सा दिखाना राजद्रोह माना जाएगा और इसके लिए सात साल तक की जेल हो सकती है। समिति ने इस मुद्दे को उठाने में सर्वसम्मति जताई और अपनी सख्त नाराजगी व्यक्त की।

हालांकि, ट्विटर ने कहा कि इसने तेजी से मुद्दे का समाधान कर दिया था। ट्विटर ने एचटी की ओर से पूछे गए सवाल में कहा, हमारी टीम ने जियो टैगिंग के मुद्दे का समाधान त्वरित रूप से कर दिया था। हम खुलेपन, पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध हैं और समय पर अपडेट साझा करने के लिए सरकार के साथ नियमित संपर्क में रहेंगे। इसने कहा कि डेटा गोपनीयता और सुरक्षा इसके उत्पादों के मूल में है। ट्विटर ने कहा, पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल पर हमें अपनी राय व्यक्त करने का मौका देने के लिए हम संसदीय समिति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

अगले वर्ष के शुरुआती महीनों में वैक्सीन उपलब्ध होने की आशा

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (वेबवार्ता)। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा चांदनी चैक संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य डॉ. हर्ष वर्धन ने आज शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के समिति अध्यक्षों से कोरोना से बचाव के प्रधानमंत्री के संदेश को जनजन तक पहुंचाने के काम में जुट जाने का आग्रह किया।

उन्होंने 150 समिति अध्यक्षों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस से संवाद करते हुए कहा कि अभी कोरोना का खतरा समाप्त नहीं हुआ, कुछ लोग कोरोना को समाप्ति के करीब मानते हुए एहतियात बरतने में लापरवाही कर रहे हैं। उन्हें यह नहीं मालूम कि ये लापरवाहियां उन पर भारी पड़ सकती हैं। डॉ. हर्ष वर्धन ने कहा कि कोरोना को शीघ्र समाप्त करने के लिए यह जरूरी है कि सभी लोग तरीके से मास्क पहनें, मास्क से मुंह और नाक को ढके रखें, बात करते समय भी मास्क नहीं उतारें, मुंह और नाक को नहीं छूएं, बारबार हाथ धोएं, आपस में दो गज की सुरक्षित दूरी रखें और खांसते तथा छींकते हुए बाजू से बचाव करें तो कोरोना के फैलाव को आसानी से रोका जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हम सभी लगातार तीन महीने पूरी तरह इन सावधानियों का पालन करें तो कोरोना के फैलाव को रोका जा सकता है। डॉ. हर्ष वर्धन ने कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग में हम नौ महीने पूरे कर चुके हैं और दसवें महीने में पहुंचने वाले हैं। इस समय कुछ लोग लापरवाही कर रहे हैं, इसे देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए सावधानियों का पालन करने और कोरोना के बचाव के उद्देश्य से इसे जनआंदोलन में बदलने का आह्वान किया। इस संदेश को जनजन तक, घरघर तक पहुंचाना है, ताकि लोगों से कोरोना की दूरी बनी रहे। आज विश्व के संपन्न और विकसित देशों के मुकाबले भारत बेहतर स्थिति में है। हमारी रिकवरी दर 91 प्रतिशत है, जो कि विश्व में अधिकतम है। इसी तरह मृत्यु दर 1.50 प्रतिशत है, जो कि न्यूनतम है। हमने कोरोना की चुनौती को अवसरों में बदला है और स्वास्थ्य ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार किया है।

श्रीनगर के हर पांच में से दो निवासियों में कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडीज

(विशेष संवाददाता)

श्रीनगर, 29 अक्टूबर । जम्मू कश्मीर के श्रीनगर जिले की 40 फीसदी से ज्यादा आबादी में कोविड 19 के खिलाफ एंटीबॉडीज विकसित हुई हैं।

नया सीरोप्रसार अध्ययन संकेत देता है कि जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है।

श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) की ओर से किए गए अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि शहर में जून में किए गए इस तरह के अध्ययन की तुलना में सीरोप्रसार में 3.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

सीरोसर्वेक्षण में व्यक्ति के रक्त सीरम की जांच की जाती है जिससे संक्रमण के खिलाफ शरीर में एंटीबॉडीज होने का पता चलता हैं। जीएमसी श्रीनगर में सामुदायिक चिकित्सा के प्रमुख डॉ मोहम्मद सलीम खान ने बताया, ' हमने श्रीनगर जिले में सीरोसर्वेक्षण किया था जिसमें पता चला है कि 2400 लोगों में से 40 फीसदी के संक्रमित होने की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन उनमें एंटीबॉडीज विकसित हो गई हैं।'

खान ने बताया कि श्रीनगर के 20 क्लस्टर से औचक तरीके से

नमूने लिए गए थे। इसमें यह भी पता चला है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में एंटीबॉडीज अधिक हैं। उन्होंने कहा ''यह प्रवृत्ति उत्साहजनक है लेकिन ऐसा नहीं है कि हम कहें कि निश्चित स्तर पर आबादी में एंटीबॉडीज विकसित होने पर कोविड19 को हराया जा सकता है।'' श्रीनगर जम्मू कश्मीर का सबसे बुरी तरह से प्रभावित जिला है। यहां करीब 19000 लोग संक्रमित हो चुके हैं और 348 लोगों की मौत हो चुकी है।

जिले में 1651 मरीज अपना इलाज करा रहे हैं जबकि अन्य जिलों में 5300 संक्रमित अपना इलाज करा रहे हैं। खान ने बताया कि कश्मीर घाटी के शेष नौ जिलों में व्यापक सीरो सर्वेक्षण किया जा रहा है और हर जिले से 400 नमूने लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि उनका परिणाम दो हफ्तों में जारी किए जाने की उम्मीद है। जम्मू कश्मीर में कोविड19 के करीब 85,000 मामले आए हैं और 1455 लोगों की मौत हुई है।

प. रेलवे में माल परिवहन के लिए प्रोत्साहन योजनाएं शुरू

अहमदाबाद, 29 अक्टूबर (वेबवार्ता)। पश्चिम रेलवे ने माल ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और माल ढुलाई करने वालों को आकर्षित करने के लिए नौ और प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर की ओर से गुरुवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि ग्राहकों को व्यवसाय में सुविधा प्रदान करने और रेलवे को अतिरिक्त मात्रा में यातायात और राजस्व प्राप्त करने के लिए ये 'फ्रेट इंसेंटिव योजनाएँ' लागू की गई हैं। ये पहले से लागू 19 प्रोत्साहन योजनाओं के अलावा हैं। हाल के दिनों में माल ढुलाई करने वालों को विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान किए गए हैं, जिनमें नवीनतम 120 दिनों की अग्रिम बुकिंग योजना भी शामिल है माल ढुलाई को आकर्षित करने के लिए अतिरिक्त योजनाओं के अलावा कुछ नियमों में छूट भी प्रदान की जा रही है।

पश्चिम रेलवे के माध्यम से माल परिवहन के लिए शुरू की गई नवीनतम प्रमुख योजनाएं और रियायतें में मंडल रेल प्रबंधकों को शक्तियों का प्रत्यायोजनः मंडल रेल प्रबंधकों को गुड्स शेडों पर प्राइवेट पार्टी और रेलवे भूमि पर निजी साइडिंग मालिक द्वारा तुला चैकी (वे ब्रिज) के संस्थापन की अनुमति देने के लिए अधिकृत किया गया है। टीईएफडी स्कीम का उदारीकरण में ट्रैडिशनल एम्प्टी फ्लो डाइरेक्शन स्कीम अर्थात अधिसूचित मार्गों के लिए निचली श्रेणी का प्रभार लगाने संबंधी योजना के अंतर्गत स्वतः माल भाड़ा छूट को अधिक उदारीकृत करने की दृष्टि से विभिन्न वैगनों के लिए न्यूनतम संख्या के मानदंड में परिवर्तन करते हुए संख्या में कमी की गई है। इसके अलावा कवर्ड स्टॉक में न्यूनतम 20 वैगनों के मिनी रेक का लदान भी शामिल है। पूरे रैक से कम का यातायात रखने वाली पार्टियों को 'मिनी रेक'' की सुविधा का लाभ दिया गया है जिसके अंतर्गत कवर्ड स्टॉक में न्यूनतम 20 वैगनों का लदान ट्रेन लोड वर्गीकरण के अंतर्गत 1500 किलोमीटर तक के प्रभाव की सुविधा के साथ किया जा सकता है।

J&K से ज्यादा सख्त दूसरे राज्यों के भूमि कानून, हम बोले तो देशद्रोही

(विशेष संवाददाता)

जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर में केन्द्र की तरफ से नए भूमि कानून को लेकर नोटिफिकेशन जारी करने के बाद वहां की मुख्य धारा की राजनीतिक पार्टियों में इसको लेकर काफी बौखलाहट है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला लगातार इसको लेकर केन्द्र पर निशाना साध रहे हैं।

उन्होंने गुरुवार को कहा कि देश के बाकी राज्यों का भूमि कानून जम्मू कश्मीर के नए कानूनों के मुकाबले कहीं ज्यादा कड़ा है। उमर अब्दुल्ला ने कहा जम्मू कश्मीर के नए कानून मुकाबले देश के अन्य राज्यों में भूमि कानून ज्यादा सख्त है। भारत के लोग हिमाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, नागालैंड जैसे राज्यों तक में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता ने आगे कहा पता नहीं हमारी क्या गलती है कि जम्मू कश्मीर में जमीन खरीदने की इजाजत दे दी गई है। अगर हम इसके खिलाफ बोलते हैं तो हम देश विरोधी कहलाए जाते हैं।

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने जम्मूकश्मीर और लद्दाख को लेकर एक और बड़ा फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को इन केंद्र शासित प्रदेशों को लेकर नए कानूनों का नोटिफिकेशन जारी किया है। नए नियम के मुताबिक, अब कोई भी भारतीय नागरिक जम्मूकश्मीर और लद्दाख में जमीन खरीद सकता है। केंद्र ने 26 कानूनों को निरस्त या बदल दिया है। केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख में जमीन खरीदने के लिए राज्य का स्थायी निवासी होने की शर्त को हटा दिया है। गृह मंत्रालय का नोटिफिकेशन तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

गुजरात की राजनीति के भीष्म पितामह केशुभाई पटेल का निधन

(विशेष संवाददाता)

गांधीनगर/अहमदाबाद, 29 अक्टूबर । गुजरात की राजनीति के भीष्म पितामह और पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल का आज निधन हो गया। केशुभाई पटेल को हृदय रोग से पीड़ित होने के साथ फेफड़े की समस्याओं के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे 92 वर्ष के थे और कोरोना पॉजिटिव भी रह चुके थे। लगभग 10 दिन पूर्व तबीयत बिगड़ने पर केशुभाई को अहमदाबाद के स्टर्लिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दो दिन पूर्व ठीक होने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी, लेकिन आज अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में उनकी मौत हो गई। केशुभाई के बेटे भरत पटेल ने बताया कि कोरोना के बाद उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा था। उन्हें सुबह ऑक्सीजन लेने में कठिनाई हुई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। इससे पहले केशुभाई की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें गृह एकांतवास में रखा गया था। बापा के नाम से मशहूर थे

केशुभाई पटेल 'बापा' के नाम जाने वाले केशुभाई का जन्म 24 जुलाई 1928 को जूनागढ़ जिले के विसावदर में हुआ था। केशुभाई को सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। केशुभाई ने अनाज मिल चलाने से लेकर मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचने तक बहुत संघर्ष किया है। राजनीति में आने के बाद केशुभाई पटेल ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित कर दिया। इतना ही नहीं, एक किसान के बेटे के रूप में, उन्होंने किसान हित सहित कई सार्वजनिक सेवा कार्यों के माध्यम से भाजपा को राज्य में अद्वितीय लोकप्रियता प्रदान की। जब 1980 में भाजपा की स्थापना हुई थी तक केशुभाई पटेल पहले गुजरात राज्य अध्यक्ष बने थे। केशुभाई पटेल को भाजपाजनता मोर्चा में उप मुख्यमंत्री का पद मिला। 1995 में केशुभाई पटेल भाजपा शासन के पहले मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्त किया मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता केशुभाई पटेल की मौत पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय केशुभाई पटेल को एक समर्पित नेता के रूप में वर्णित करते हुए कहा कि उन्होंने गुजरात में जनसंघ से भाजपा तक एक बरगद का पेड़ लगाया और राजनीतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुख्यमंत्री रूपानी ने धारी चुनाव बैठक में केशुभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केशुभाई के निधन से हम सभी को बहुत नुकसान हुआ है ।

मोदी ने केशुभाई पटेल के निधन पर व्यक्त किया शोक

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा वह एक उत्कृष्ट नेता थे, जिन्होंने समाज के हर वर्ग की देखभाल की और उनका जीवन गुजरात की प्रगति और हर गुजराती के सशक्तीकरण के लिए समर्पित था। केशुभाई का आज 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। मोदी ने केशुभाई के निधन पर कई ट्वीट किये और अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर उनके साथ अपनी कई तस्वीरें भी साझा की। उन्होंने लिखा,'हम सभी के प्रिय, श्रद्धेय केशुभाई पटेल जी के निधन से मैं दुखी हूं, स्तब्ध हूं। ' प्रधानमंत्री ने लिखा,'हमारे प्यारे और सम्मानित केशुभाई का निधन हो गया है। मैं बहुत व्यथित और दुखी हूं।